mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-53 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 फरवरी 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

युजवेंद्र और धनाश्री...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना की विरोधी पार्टी के नेता की हत्या

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक नेता की उसके प्रतिद्वंदियों ने हत्या कर दी। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, बीएनपी नेता को उसके प्रतिद्वंद्वियों ने उसकी पत्नी के सामने ही पीटकर मार डाला। घटना के वक्त बीएनपी नेता अपनी पत्नी के साथ खेत में सरसों की कटाई कर रहे थे। डेली स्टार बांग्लादेश की रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीएनपी

की कुल्ला यूनियन यूनिट के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मियां की हत्या को शुक्रवार की दोपहर अंजाम दिया गया। डेली स्टार बांग्लादेश की रिपोर्ट में कहा गया है कि बाबुल मियां और उनकी पत्नी घटना के समय धामराई उपजिला के अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे। बाबुल की पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि ग्रामीणों का अक्षिरनगर हाउसिंग नाम के एक रियल एस्टेट बिजनेस को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया, %हालांकि मेरे पति इस मामले में शामिल नहीं थे, लेकिन स्थानीय अपराधी अफसर, अरशद और मोनिर कई दिनों से हम दोनों को धमका रहे थे। उन्होंने उसे डंडों और एसएस पाइपों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने उनकी दोनों आंखें भी फोड़ दीं।% यास्मीन ने कहा, %जब मैंने और कुछ स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करके उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें रोक दिया। उनके बेहोश हो जाने के बाद ही वे वहां से गए।

पाकिस्तान में 22 भारतीयों की सजा हुई पूरी, अब लौटेंगे भारत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में 22 भारतीयों की सजा पूरी हो गई है। अब इन सभी को भारत लौटाए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बताया कि कराची की मलीर जेल में ये सभी भारतीय बंद थे। पेश से ये सभी मछुआरे हैं, जिनको रिहा कर दिया है और उन्हें शनिवार को भारत को सौंपे जाने की संभावना है।

समाचारपत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने मलीर जेल के अधीक्षक अरशद शाह के हवाले से बताया कि मछुआरों को उनकी सजा पूरी होने के बाद शुक्रवार को जेल से रिहा कर दिया गया। ' ईदी फाउंडेशन' के अध्यक्ष फैसल ईदी ने मछुआरों के लिए लाहौर तक परिवहन की व्यवस्था की, जहां से वे भारत वापसी की यात्रा जारी रखेंगे। उन्होंने लंबी अवधि तक जेल में रहने के दौरान मछुआरों के परिवारों की पीड़ा को उजागर किया तथा सजा पूरी होने के बाद उनकी तत्काल रिहाई तथा शीघ्र वापसी का आह्वान किया। पाकिस्तानी अधिकारी भारतीय मछुआरों को वाघा सीमा पर पहुंचाते हैं, जहां भारतीय अधिकारी आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनकी वापसी की व्यवस्था करते हैं। दरअसल, दोनों देशों के मछुआरे मछली पकड़ते हुए समुद्री सीमाओं को पार कर एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुस जाते हैं जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम के 40 लाख रुपये चुराने वाला ऑफिस ब्वॉय गिरफ्तारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने संगीतकार प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस से 40 लाख रुपए चोरी करने वाले ऑफिस ब्वॉय को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार किया गया है और चोरी की गई रकम का 95 फीसदी हिस्सा भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी की पहचान आशीष बूटीराम सयालके रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर प्रीतम चक्रवर्ती के घर सामान पहुंचाने के बहाने स्टूडियो से 40 लाख रुपए से भरा बैग चुराया और फिर फरार हो गया।

मुंबई की मलाड पुलिस ने बताया कि आरोपी की उम्र 32 साल है। वह कई साल से प्रीतम के लिए काम कर रहा था। मामला दर्ज करने के बाद मलाड पुलिस ने 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे और आरोपी तक पहुंची। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 34 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। इसके साथ ही चोरी के पैसे से खरीदा आईफोन और लैपटॉप भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी ने चोरी के पैसे से लगभग 2.5 लाख का आईफोन खरीदा था। आरोपी कई साल से प्रीतम के यहां काम कर रहा था। ऐसे में जब वह बैग लेकर भागा तो प्रीतम को उम्मीद थी कि वह जल्द ही वापस आ जाएगा। इसी वजह से उन्होंने पुलिस में शिकायत करने से पहले एक दिन तक इंतजार किया था। एक फिल्म के डायरेक्टर ने प्रीतम को उनके काम के लिए पैसे दिए थे। पैसों से भरा बैग प्रीतम के मैनेजर ने उनके ऑफिस में रख दिया था। आरोपी आशीष ने ऑफिस में कहा कि वह प्रीतम के घर में कुछ सामान देने जा रहा है और पैसों से भरा बैग लेकर निकल गया। वह काफी देर तक सड़क में घूमता रहा।

रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी से की मुलाकात, बोलीं-

डबल इंजन की सरकार दिल्ली बदलने के लिए प्रतिबद्ध है

नई दिल्ल (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुलाकात की तस्वीरें जारी की हैं। पहली बार विधायक बनीं गुप्ता ने बृहस्पतिवार को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में छह मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा 27 साल के बाद सत्ता में आई है। इस मुलाकात के बाद पीएम नरेंद्र मोदी के साथ तस्वीरों को सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। एक्स पर इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रेखा गुप्ता ने लिखा, आज प्रधानमंत्री आवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। आपके मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार लोक कल्याण और सुशासन के पथ पर चलते हुए दिल्लीवासियों के सपनों को एक विकसित दिल्ली में बदलने को प्रतिबद्ध है।

सरकार बनते ही केजरीवाल के स्टाफ की छुट्टी: बता दें कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही सभी विभागों में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री बनने के एक दिन बाद सभी मंत्रालयों के अस्थायी स्टाफ की छुट्टी कर दी है। अब इन विभागों में नए लोगों की भर्ती की जाएगी। सभी मंत्रालयों में ऐसी नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की जाती हैं और मंत्री का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही उनके सहयोगी स्टाफ का कार्यकाल भी खत्म हो जाता है। इसके साथ ही सरकार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके मूल विभाग में लौटने का निर्देश दिया है। पिछली सरकार ने कई कर्मचारियों और अधिकारियों को अलग-अलग विभागों में तैनात कर दिया था।

आदेश में कही गई ये बात

सर्विसेज विभाग के आदेश में कहा गया है, विभिन्न विभागों, संगठनों, निगमों, बोर्डों, अस्पतालों आदि के सभी अधिकारी, कर्मचारी और कर्मचारी जो मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालयों में डायवर्टेड क्षमता में तैनात हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से मुक्त माना जाएगा और उन्हें तत्काल प्रभाव से अपने संबंधित विभागों, बोर्डों, स्वायत्त निकायों, निगमों, अस्पतालों आदि को रिपोर्ट करना होगा।÷ आदेश में कहा गया है, ÷मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय जीएडी को नए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। हालांकि, दानिक्स, डीएसएस और स्टेनो कैडर के नियमित कर्मचारी अगले आदेश तक नवनियुक्त मुख्यमंत्री, मंत्रियों के अधीन अपने-अपने कार्यालयों में काम करना जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को जान से मारने की धमकी

राजस्थान (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। पुलिस कंट्रोल रूम जयपुर में फोन कर भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी गई है।

इससे पहले भी सीएम को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। तब भी दौसा की सेंट्रल जेल से ही धमकी दी गई थी। इस बार भी इसी जेल में बंद कैदी ने फोन कर सीएम को मारने की धमकी दी है। दौसा के सेंट्रल जेल श्यालावास से जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया गया। इस दौरान शनिवार (22 फरवरी) को 12 बजे से पहले सीएम को जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना के बाद दौसा पुलिस ने जेल में सर्च ऑपेरशन चलाया। इस दौरान पुलिस को जेल में मोबाइल फोन भी मिला। जिस कैदी ने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी है, वह पॉक्सो एक्ट के तहत जेल में बंद है। इस कैदी का नाम स्कि रख्वा है, जो 2022 में दौसा सेंट्रल जेल में आया था। पॉक्सो एक्ट बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। छोटे बच्चों के साथ यौन शोषण करने वाले दोषियों को इसी कानून के तहत कठोर सजा दी जाती है। यह पहला मौका नहीं है, जब राजस्थान के सीएम को जान से मारने की धमकी मिली है।

गैंगस्टर हाशिम बाबा की बेगम और लेडी डॉन जोया खान गिरफ्तार

मां-पिता का भी है अपराध की दुनिया से वास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा की बेगम और लेडी डॉन जोया खान को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। जोया खान कई सालों से हाशिम बाबा गैंग की कमान संभाल रही थी। जोया इतनी शातिर थी कि अपराध करने के बाद सबूत नहीं छोड़ती थी। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस, जोया के अपराधों की कुंडली के बारे में जानती तो थी लेकिन सबूत नहीं होने के कारण जोया को पकड़ नहीं पा रही थी।

हालांकि इस बार लेडी डॉन से चूक हो गई और वह हेरोइन की सप्लाई करने खुद ही निकल पड़ी और इस बात की भनक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को लग गई। पुलिस ने जोया खान को वेलकम इलाके से एक करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। लेडी डॉन, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की चार दिन की डिमांड पर है।

कौन है हाशिम बाबा और जोया खान? हाशिम बाबा दिल्ली का एक कुख्यात गैंगस्टर है और फिल्मी पाताललोक यानी जमुना पार का नामचीन बदमाश है। हाशिम बाबा पर हत्या, लूट, जबरन वसूली, आर्म्स एक्ट, मकोका जैसे गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। लेडी डॉन जोया, हाशिम बाबा की तीसरी पत्नी है। वहीं जोया की हाशिम बाबा से दूसरी शादी है। इससे पहले जोया की शादी हो चुकी थी लेकिन जोया ने साल 2014 में तलाक लेकर साल 2017 में हाशिम बाबा से शादी कर ली थी।

दरअसल हाशिम बाबा और जोया दोनों ही जमुना पार यानी नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के रहने वाले हैं और दोनों पड़ोसी हैं, इसलिए दोनों में इश्क हुआ और इश्क के बाद दोनों का निकाह हो गया। जोया यह जानती थी कि हाशिम बाबा दिल्ली का जाना माना गैंगस्टर है। लेकिन जोया ने फिर भी अपना दिल हाशिम बाबा को दे दिया।

एयरपोर्ट के पास होटल में लगी भीषण आग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट के करीब स्थित फेयर माउंट नाम के होटल में आग लगने की सामने आई है। इस दौरान आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश चल रही है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, अभी तक किसी के भी हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। बता दें कि इससे पहले सोनभद्र जिले के खैराही स्टेशन के पास कर्मा थाना इलाके में मंगलवार दोपहर को डिलही के पास त्रिवेणी एक्सप्रेस में आग लग गई। वहीं ट्रेन में आग लगने के बाद उठता हुआ धुआं देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि ड्राईवर की सूझबूझ से सही समय पर आग पर काबू पा लिया गया।

वहीं ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद यात्री ट्रेन छोड़ कर बस पकड़ने के लिए मुख्य मार्ग पर पहुंच गए। मिर्जापुर-सोनभद्र मुख्य मार्ग पर आकर कई यात्री सवारी गाड़ी में बैठकर अपने गंतव्य तक गए। यात्रियों की मानें तो इस ट्रेन में दो बार आग लग चुकी थी। पहली आग लूसा के करीब लगी और अब दोबारा डिलही के पास आग लगी। हालांकि आग लगने से कोई नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के बाद ज्यादातर यात्री ट्रेन से उत्तर गए। इनमें से कुछ लोग बस से चले गए। वहीं आग किस कारण से लगी है, इसका अभी पता नहीं चल सका। आग लगने के कारणों के बारे में कोई कुछ भी बताने को तैयार नहीं है।

जेपी अध्यक्ष नड्डा ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

60 करोड़ के पार पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा

प्रयागराज (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को संगम में डुबकी लगाई। जेपी नड्डा के साथ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने भी संगम में स्नान किया। मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ स्नान करने के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई और सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही उन्होंने मां गंगा को साड़ी, नारियल, पुष्प आदि भी अर्पित किया। जेपी नड्डा के साथ डुबकी लगाने वालों में उनके परिवार के दो बच्चे भी शामिल थे।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को दोपहर में प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश भाजपा

अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता और फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने उनका स्वागत किया। महाकुंभ नगर के अरैल पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें बोट से संगम ले गए। इस दौरान, जेपी नड्डा और उनके परिवार ने संगम में कलरव कर रहे साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को दावा किया कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है।

मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को शाम चार बजे तक कुल 1.11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई जबकि 13 जनवरी से अभी तक कुल 60.42 करोड़ श्रद्धालु गंगा और संगम में स्नान कर चुके हैं। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है।

महाराष्ट्र की सरकारी बसों में महिलाओं-बुजुर्गों को मिलने वाली छूट नहीं होगी होगी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबईः महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बसों के किराए में महिलाओं और बुजुर्गों को दी जाने वाली 50 प्रतिशत छूट बंद नहीं होगी। यह कहना है राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का। शिंदे का यह बयान

परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक के उस बयान के बाद समाने आया है जब मंत्री ने घाटे का हवाला देते हुए संकेत दिया था कि महिलाओं और बुजुर्गों को दी जाने वाली छूट को खत्म किया जा सकता है। अब एकनाथ शिंदे ने सफाई दी है की महिलाओं और बुजुर्गों को दी जाने वाली छूट खत्म नहीं की जाएगी। दरअसल, राज्य के परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक ने राज्य सरकार द्वारा संचालित एमएसआरटीसी को हुए घाटे के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। सरनाईक महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) द्वारा पत्रकारों को रियायतें देने की मांग का जवाब दे रहे थे।

भूख से तड़पती रही बीमार मां, घर में बंद कर बीवी-बच्चों के साथ शख्स चला गया महाकुंभ

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी बीमार मां को घर में बंद कर दिया और पत्नी, बच्चों तथा ससुराल वालों के साथ महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज चला गया। पुलिस ने गुरुवार को इस घटना के बारे में जानकारी

● पुलिस ने 65 वर्षीय महिला को कराया मुक्त

दी। पुलिस ने बुधवार को रामगढ़ थाना क्षेत्र के सुभाष नगर कॉलोनी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के एक क्वार्टर से 65 वर्षीय महिला को मुक्त कराया। पुलिस ने बताया कि महिला सोमवार से घर में बंद थी और चूड़ा खाकर जिंदा थी। पड़ोसियों को उसके बारे में तब पता चला जब वह

भूख के कारण सहायता के लिए चिल्लाने लगी।

बेटी ने पुलिस को दी सूचना: रामगढ़ के उप-संभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि बुजुर्ग महिला की पहचान संजू देवी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, ÷संजू देवी को उसके बेटे अखिलेश कुमार ने सोमवार से अपने सीसीएल क्वार्टर में बंद कर दिया था। अखिलेश कुमार अपने परिवार के साथ प्रयागराज में महाकुंभ देखने गया था। बुधवार को उनकी (संजू देवी की) बेटी द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद उन्हें बचाया गया।÷ उन्होंने कहा कि अखिलेश कुमार सीसीएल कर्मचारी है।

पुलिस ने ताला तोड़कर कराया मुक्त: एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि अखिलेश कुमार ने पुलिस को जानकारी दी कि उसकी मां की तबीयत खराब है और वे उसके खाने-पीने का सारा इंतजाम करके प्रयागराज गए थे। महिला की बेटी चांदनी देवी, जो कहुबेरा में सीसीएल क्वार्टर से लगभग पांच किलोमीटर दूर रहती है, ने कहा कि उसे पड़ोसियों से फोन पर मां के बारे में जानकारी मिली। संजू देवी ने संवाददाताओं को बताया, ÷पुलिस ने ताला तोड़कर उसे बचाया। पड़ोसियों ने तुरंत उसे खाना दिया। उसे दवाइयां भी दी गई और सीसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया।÷ उन्होंने बताया कि अखिलेश कुमार को अनुकंपा के आधार पर सीसीएल में नौकरी मिली थी और वह रामगढ़ जिले में सीसीएल के अरगडा क्षेत्र में काम करता है।

मंत्री काश्यप ने मुनि श्री प्रमाणसागर जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने आचार्य गुरू श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री प्रमाणसागर जी से मुलाक़ात कर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की और आशीर्वाद लिया। मंत्री श्री काश्यप ने मुनिश्री से भोपाल के पंचकल्याणक स्थल पर भेंट की। इस दौरान मंत्री श्री काश्यप ने मानव कल्याण और जन समस्याओं से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा और धर्म से जुड़े विषयों पर विचार व्यक्त किये। मंत्री श्री काश्यप ने तीर्थ पर्वराज सम्यक शिखरजी में मुनिश्री प्रमाणसागर की प्रेरणा से निर्मित हो रहे गुणायतन तीर्थ के संबंध में विचार विमर्श किया।

मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक गिद्धों वाला राज्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा वर्ष 2025 में प्रदेश स्तर पर गिद्धों की गणना में गिद्धों की संख्या 12 हजार 981 हो गई है। मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक गिद्धों वाला राज्य बन गया है। प्रथम चरण में वन विभाग के 16 वृत्त, 64 डिवीजन और 9 संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना की गयी। गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, डब्ल्यूआईआई, भोपाल के प्रतिभागियों, स्वयं सेवकों और फोटोग्राफरों द्वारा किया गया। गिद्धों की गणना में घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना के दौरान इस बात का ध्यान रखा गया कि केवल आवास स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गिना गया है। डाटा संकलन का कार्य वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में किया गया। प्रदेश में गिद्धों की गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गयी थी। प्रदेश में गिद्धों की कुल 7 प्रजातियाँ पाई जाती है। इसमें से 4 प्रजातियाँ स्थानीय एवं 3 प्रजातियाँ प्रवासी हैं। गिद्धों की गणना करने के लिये शीत ऋतु का अंतिम समय सही रहता है। इस दौरान स्थानीय एवं प्रवासी गिद्धों की गणना आसानी से हो जाती है। वर्ष 2019 की गणना में गिद्धों की संख्या 8 हजार 397, वर्ष 2021 में 9 हजार 446 और वर्ष 2024 में बढ़कर 10 हजार 845 हो गयी थी।

मादा चीता ज्वाला और 4 शावकों को खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावकों को उद्यान के खजूरी वन क्षेत्र में सफलतापूर्वक छोड़ा गया। यह वन क्षेत्र अहेरा पर्यटन क्षेत्र का हिस्सा है। इन 4 शावकों में 2 नर और 2 मादा शावक शामिल हैं। इन शावकों की उम्र 13 माह है। मादा चीता और उसके चारों शावक स्वस्थ हैं। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगल में 12 चीते हैं। वन क्षेत्र में दर्जन भर चीतों की उपस्थिति से पर्यटकों को सफारी यात्रा के दौरान चीता देखने का अवसर मिलेगा।

म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने हासिल किया 90.74 प्रतिशत पीएलएफ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृहों ने 19 फरवरी को 90.74 प्रतिशत प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) अर्जित कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक पीएलएफ का रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व पॉवर जनरेटिंग कंपनी का सर्वश्रेष्ठ दैनिक पीएलएफ 85.03 प्रतिशत था, जो कि 7 वर्ष पूर्व 19 अप्रैल 2018 को अर्जित किया गया था। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने चारों ताप विद्युत गृहों के अभि?यंताओं व कार्मिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी विद्युत उत्पादन के नए रिकार्ड कायम होते रहेंगे। दिनांक 19 फरवरी को जब मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 4 ताप विद्युत गृहों द्वारा दैनिक 90.74 प्रतिशत पीएलएफ का रिकार्ड बनाया गया, तब इनका समग्र विद्युत उत्पादन 99.52 मिलियन यूनिट दर्ज किया गया। पॉवर जनरेटिंग कंपनी के चारों ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 4570 मेगावाट है। दिनांक 19 फरवरी को 210 मेगावाट क्षमता के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने 4.94 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करते हुए 98.06 प्रतिशत पीएलएफ हासिल किया। 500 मेगावाट क्षमता के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी ने 11.80 मिलियन यूनिट दैनिक उत्पादन करते हुए 98.32 प्रतिशत पीएलएफ, 1340 मेगावाट क्षमता के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 25.71 मिलियन यूनिट उत्पादन करते हुए 79.95 पीएलएफ व 2520 मेगावाट क्षमता के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने 57.07 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करते हुए 94.36 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया।

प्रदेश में कक्षा 5 और 8वीं की वार्षिक परीक्षा की समय-सारणी जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रदेश में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी है। प्रदेश की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त आशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं के साथ डाईस कोड प्राप्त मदरसों में वार्षिक परीक्षा 24 फरवरी से शुरू होंगी। सत्र 2024-25 की यह परीक्षाएँ 5 मार्च को समाप्त होंगी। परीक्षा की व्यवस्था को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। कक्षा 5वीं की वार्षिक परीक्षा का पहला प्रश्न-पत्र 24 फरवरी को होगा और अंतिम प्रश्न-पत्र एक मार्च 2025 को होगा। प्रश्न-पत्र निर्धारित समय-सारणी के अनुसार दोपहर 2 से शाम 4ः30 बजे तक होगा।

ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान वॉटर स्पोर्टस के प्रदर्शन से आकर्षण का केंद्र बनेगा बड़ा तालाब

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल का बड़ा तालाब वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों के चलते विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को बोट क्लब पर तैयारियों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि 23, 24 व 25 फरवरी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी विभिन्न रोमांचक वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे, जो देश-विदेश से आए डेलिगेट्स को आकर्षित करेगा। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी दी कि समिट के दौरान वीआईपी रोड की ओर से बड़े तालाब में सैलिंग बोट पर लगे भव्य बैनर के माध्यम से डेलिगेट्स का स्वागत करेगा। इस अनूठे आयोजन को वीआईपी ब्रिज से ही डेलिगेट्स देख सकेंगे। इस दौरान सैलिंग, कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और कैनो सलालम जैसे वॉटर स्पोर्ट्स प्रदर्शन मुख्य आकर्षण होंगे। इसके साथ ही बोट कल्ब पर विशेष साज-सज्जा भी की जायेगी। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि 23 से 25 फरवरी तक प्रातः 10 बजे से चार घंटे तथा सायं चार घंटे तक बड़े तालाब में वॉटर स्पोर्ट्स शो आयोजित किया जाएगा। इसमें खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी के 100 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल का बड़ा तालाब ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर है, जिसे ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का यह सुनहरा अवसर होगा। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के अंतर्गत आयोजित यह वॉटर स्पोर्ट्स शो न केवल भोपाल की खूबसूरती को और निखारेगा, बल्कि देश विदेश से आये डेलिगेट्स और निवेशकों के बीच इसकी पहचान को भी सुदृढ़ करेगा।

भाषा के विकास में तकनीक बने सहयोगी-श्री पंत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। तकनीकी युग में मातृभाषा का अस्तित्व और चुनौतियां विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के मंत्री संचालक श्री कैलाशचंद्र पंत शामिल हुए। श्री पंत ने कहा कि आज यह ध्यान रखना आवश्यक है कि भाषाओं के विकास में तकनीक हावी न हों जाए और हम तकनीक के गुलाम न हो, बल्कि तकनीक के स्वामी हों। उपभोक्तावादी संस्कृति संघर्ष बढ़ा देती है। आज यह जरूरी है कि हम अपनी ज्ञान परम्परा और समृद्ध संस्कृति को महत्व दें, तभी प्रकृति से भी जुड़ सकेंगे। श्री पंत ने हिंदी और भारतीय भाषाओं के परस्पर सम्पर्क पर विस्तृत प्रकाश डाला। यह संगोष्ठी राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी और हिंदी प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल ने कहा कि भाषायी सद्भावना आवश्यक है। नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और उपयोग की बात कही गई है। मध्यप्रदेश में हिंदी ग्रंथ अकादमी ने भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित अनेक प्रकाशन किए हैं। इसके साथ ही अनुवाद को भी महत्व दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर खेमसिंह डहेरिया ने कहा कि शीघ्र ही विभिन्न भाषाओं का संयुक्त कोष प्रकाशित किया जाएगा। मध्यप्रदेश में चिकित्सा और अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों के हिंदी में प्रारंभ होने से हिंदी का प्रचार बढ़ा है। विभिन्न भाषाओं की श्रेष्ठ पुस्तकों का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस का आयोजन यूनेस्को द्वारा की गई पहल है। सिंधी भाषा के प्रतिनिधि के रूप में श्री अशोक मनवानी और श्रीमती कविता इसरानी ने हिस्सा लिया। श्रीमती इसरानी ने सिंधी भाषा की उत्पत्ति, विकास, विभिन्न लिपियों के उपयोग और विभाजन के कारण भाषा संरक्षण में उत्पन्न समस्याओं पर रोशनी डाली। मराठी भाषा के प्रतिनिधि भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री अनिल निगुडकर और विश्वविद्यालय के कुल सचिव श्री शैलेन्द्र जैन ने भी विचार व्यक्त किए।

जर्मनी जीआईएस-2025 में पार्टनर कंट्री के रूप में होगा शामिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में जर्मनी पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागिता करेगा। 24 एवं 25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित समिट में कॉन्सुल जनरल श्री अचिम फेबिग सहित इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स और जर्मन इंडियन इनोवेशन कॉरिडोर के प्रतिनिधि भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने म्यूनिख, जर्मनी के दौरे में वहाँ के सीआईआई एवं जर्मन इंडियन इनोवेशन कॉरिडोरङ्कसेंट्रल इंडिया के समन्वय से जर्मन निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जर्मन पैवेलियन स्थापित किया जाएगा। इसमें इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में भारत-जर्मनी सहयोग के अवसरों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें मध्यप्रदेश सरकार और इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं जीआईआईसी-सीआई के बीच एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षरित किया जाएगा। यह समझौता मध्यप्रदेश में सतत और दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए होगा, जिसमें जर्मन कंपनियाँ विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों में भागीदारी करेंगी। मध्यप्रदेश में रासायनिक, फार्मा और हार्डवेयर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पहले से कई जर्मन कंपनियाँ कार्यरत हैं। अब सूचना प्रौद्योगिकी, ग्लोबल स्किल डेवलपमेंट, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डेयरी फार्मिंग, फूड प्रोसेसिंग, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, डीप टेक्नोलॉजी और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्रों में भी जर्मन कंपनियाँ निवेश करने की इच्छुक हैं।

म.प्र. की सांस्कृतिक विरासत दिखेगी जीआईएस में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में निवेशकों, उद्योगपतियों और अतिथियों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति को रेखांकित करने के लिए विशेष रूप से संयोजित %अमृतस्य मध्यप्रदेश% नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, विविधता और पर्यटन स्थलों की खूबसूरती को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में दिखाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश के पारंपरिक और स्थानीय लोकनृत्य, मटकी नृत्य और करमा जनजातीय नृत्य आदि की प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण होगी। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि जीआईएस में अतिथियों को मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों की संगीतमयी अनुभूति कराई जाएगी। उनके मध्यप्रदेश प्रवास के अनुभव को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। ये प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और

निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।ताज लेक फ्रंट होटल में 23 फरवरी को शाम 6ः30 बजे से बांसुरी, सरोद, सारंगी और जुगलबंदी जैसी संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। समिट के पहले दिन 24 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में सुबह 8 बजे से स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित करते लोक कला के दलों की प्रस्तुतियां होंगी। इसी दिन ओडीओपी मंच और मध्यप्रदेश पेविलियन में प्रदेश की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी। इसमें गोंड और भील जनजातियों की लोक संस्कृति एवं बुंदेलखंड व चंबल अंचल की विरासत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये अतिथि निवेशकों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत को नजदीक से देखने का अवसर मिलेगा।

जीआईएस में दिखेगी म.प्र. की सांस्कृतिक विरासत की झलक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में निवेशकों, उद्योगपतियों और अतिथियों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का अनुभव कराने के लिए विशेष रूप से संयोजित अमृतस्य मध्यप्रदेश नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत विविधता और पर्यटन स्थलो की खूबसूरती को प्रसिध्द कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में दर्शित करेगें। इसके साथ ही आयोजन स्थल इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में प्रदेश के पारंपरिक और स्थानीय लोकनृत्य, मटकी नृत्य, करमा जनजातीय नृत्य आदि की प्रस्तुति एक विशेष आकर्षण होगी। जीआईएस के दौरान अतिथियों को मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों की संगीतमयी अनुभूति करायी जाएगी। उनके मध्यप्रदेश आने के अनुभव को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई मनमोहक कार्यक्रम अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किए जाएगें। यह प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आयोजन में 23 फरवरी को ताज लेक फ्रंट होटल में शाम 6ः30 बजे से बांसुरी, सरोद, सारंगी और जुगलबंदी जैसी संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। समिट के पहले दिन 24 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में सुबह 8 बजे से स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित करते लोक कला दलों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इसी दिन ओडीओपी मंच और मध्यप्रदेश पेवेलियन में प्रदेश की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी, जिसमें गोंड और भील जनजातियों की लोक संस्कृति एवं बुंदेलखंड व चंबल अंचल की विरासत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। शाम को गाला डिनर के दौरान लोकाँचल नृत्य बधाई, मटकी, जनजातीय नृत्य करमा के साथ विशेष %अमृत्य मध्यप्रदेश% नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया जाएगा।

नृत्य के रूप में मंच पर साकार हुआ संस्कृति का सौंदर्य, ईश्वर की वंदना, कथा-कहानियों और परंपराओं का जगमगाया संसार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन छतरपुर के सहयोग से आयोजित 51वाँ खजुराहो नृत्य समारोह की दूसरी शाम देश के सुप्रसिद्ध नृत्य कलाकारों ने कंदरिया महादेव मंदिर की आभा में बने मंच पर संस्कृति के अनूठे रंग दमक उठे। सांझ की धुंधलाती रोशनी में नृत्य का संसार जगमगा उठा और रात होते-होते परवान चढ़ा। भारतीय कला-संस्कृति का प्रतीक बन चुके खजुराहो के इस मंच पर दूसरी शाम तीन नृत्य प्रस्तुतियां सुधिजनों के सामने आईं। इसमें पहली प्रस्तुति थी सुप्रसिद्ध मणिपुरी नृत्यांगना और पद्मश्री सुश्री दर्शना झावेरी एवं उनके शिष्यों की। एक ऐसी नृत्यांगना जिसने नृत्य को न सिर्फ किया, बल्कि उसे आत्मसात भी किया। अपनी गुरु परम्परा को नृत्य के आकाश में बुलंदियों तक लेकर आईं। गुरु बिपिन सिंह के मणिपुरी घराने की आला दर्जे की नृत्यांगना ने अपनी प्रस्तुति का आरम्भ पारंपरिक रूप से ईश्वर की वंदना से किया। मंगलाचरण में उन्होंने भगवान श्री कृष्ण और राधा को नमन किया। इसके बाद बसंत रास का प्रमुख उत्सव होली मंच पर साकार हुआ। जिसके केंद्र में थे कृष्ण, राधा और गोपियां। होलिका क्रीडम प्रस्तुति ने सुधिजनों को ब्रज की होली सदृश्य दिखाई। होली के रंगों के बाद मनभजन प्रस्तुति दी, जो जयदेव रचित गीत गोविंदम पर आधारित थी। इसमें भगवान श्री कृष्ण और राधा की मधुमयी नोंक-झोंक को दर्शाया। इसके बाद प्रबंद नर्तम, सप्ता, नायिकाभेदा, मांडिला नर्तन और अंत में मृदंग वादन की प्रस्तुति से विराम दिया। मणिपुरी के बाद अवसर था भरतनाट्यम नृत्य को देखने का और मंच पर नमूदार हुईं युवा नृत्यांगना सुश्री श्रेयसी गोपीनाथ, दिल्ली। उनकी प्रस्तुति थी द व्हील ऑफ चॉइसेस जिसे श्रेयसी गोपीनाथ डांस अकादमी के कलाकारों ने प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने मानव स्वभाव की जटिलताओं को प्रदर्शित किया। जहाँ चरित्र न केवल अपने कार्यों से बल्कि दूसरों के कर्मों से भी लगातार संचालित होते हैं। चक्र के मूल में महाभारत का काला नायक कर्ण है। व्यापक कथा के केंद्र में, उसकी पहचान और यकीनन दुखद नियति उसे एक आकर्षक और रहस्यमय व्यक्ति बनाती है। अपने महान गुणों के बावजूद, कर्ण की यात्रा आंतरिक संघर्षों, नैतिक दुविधाओं, विकल्पों और भाग्य के अथक हाथ से चिह्नित है। अंतिम प्रस्तुति छाऊ की रही। जिसे प्रस्तुत किया पद्मश्री शशधर आचार्य एवं साथी, झारखंड ने। उनकी प्रस्तुति का नाम महानायक गरुड़ था। इस नृत्यनाटिका में उन्होंने नृत्य के माध्यम से बड़े प्रभावी ढंग से दिखाया कि भारतीय आध्यात्मिक वांग्मय में संघर्ष की पराकाष्ठा से प्रकाशित गरुड़ एक महानायक के रूप में प्रतिबिंबित होता है, जो अपने अदम्य शौर्य से गरुड़ भास्कर, गरुड़ वासुकी, गरुड़ वाहन, नरकासुर वध जैसे चरित्रों का अनुपालन करता है और धर्म ग्रंथो में अपनी पूज्य स्थिति को प्राप्त करता है। धर्म ग्रंथो में विदित कथाओ के अनुसार गरुड़ का जन्म समय से पूर्व ही हो गया बावजूद इसके उसमे अपार ऊर्जा संग्रहित था। अपनी ऊर्जा की प्रचंडता के कारण वह अपने माता के मना करने पर भी सूर्य को निगलने के लिए चल पड़ा।

लोक निर्माण मंत्री के निर्देश पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कड़ी जांच, लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की नवीन पहल प्रारंभ की गई हैं। इससे तहत हर माह की 5 और 20 तारीख को सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडम तरीके से चयनित दलों, जिलों, निर्माण कार्यों और सामग्री के सैंपल लेने के स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह के निर्देशानुसार हाल ही में लोक निर्माण विभाग के सातों परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंता के सात दलों द्वारा सात जिलो में किया गया जिसमें कुल 35 कार्यो को रेण्ड़म आधार पर चयनित किया गया।इन 35 कार्यो में से 14 कार्य पी.डब्ल्यू.डी. सड़क/ पुल, 12 कार्य पी.आई.यू., 6 कार्य म.प्र. सड़क विकास निगम, 01 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम एवं 02 कार्य पी.डब्ल्यू.डी. (एन.एच.) का शामिल किया गया। एक-एक जिले में मुख्य अभियंताओं की टीमों द्वारा निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के बाद प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, श्री भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निरीक्षण किए गए सात जिलों के 35 निर्माण कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे सॉफ्टवेयर पर अपलोड कर पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया। बैठक में प्रमुख अभियंता (बी.एण्ड आर), उपसचिव म.प्र. शासन, लोनिवि, समस्त मुख्य अभियंता एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत बनवारी से तरौनकला सिमारा डापका मार्ग निरीक्षण में पाई गई कमियों के कारण श्री संजय रायकवार कार्यपालन यंत्री नर्मदापुरम को कारण बताओं सूचना पत्र एवं श्री आर.पी. शर्मा अनुविभागीय अधिकारी व श्री कैलाश गुरदे उपयंत्री को निलंबित तथा ठेकेदार मेसर्स बिंदल डेवलपर्स को कालीसूची में दर्ज करने हेतु मुख्य अभियंता को निर्देशित किया गया। कटनी-बरही-इंदवार-ताला मार्ग परफार्मेंस गारंटी के अंतर्गत ठेकेदार के द्वारा सम्पूर्ण मरम्मत कार्य नहीं करने के कारण श्री स्वर्णकार संभागीय प्रबंधक म.प्र. सड़क विकास निगम शहडोल को एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने तथा ठेकेदार मेसर्स टी.बी.सी.एल को कालीसूची में दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। झाबुआ शासकीय महाविघालय पेटलावद में 6 अतिरिक्त अध्ययन कक्ष निर्माण कार्य में अनियमितता पर श्री अलसिंह भिडे कार्यपालन यंत्री (भवन) को कारण बताओं सूचना पत्र जारी एवं ठेकेदार मेसर्स वीनस कंस्ट्रक्शन राजगढ जिला धार को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिये गये।

छतरपुर जिले में 250 सीटर कन्या छात्रावास के निर्माण कार्य में पाई गई अनियमिताओं के कारण श्री के.एस. परस्ते कार्यपालन यंत्री (भवन) छतरपुर को कारण बताओं सूचना पत्र एवं श्री एस.के. पाण्डेय अनुविभागीय अधिकारी व श्री एम.पी. भटनागर उपयंत्री को निलंबित तथा ठेकेदार मेसर्स आर.के. कंस्ट्रक्शन छतरपुर को कालीसूची में दर्ज किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

टीआई समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

जुए के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप, 14 जुआरी गिरफ्तार, 2 फरार

आकाश सिंह राजपूत
एसआई

आजाद खान
आरक्षक

अजय तिवारी
आरक्षक

अभिषेक उपाध्याय
कोतवाली टीआई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में शुक्रवार सुबह पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा ने कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। एसपी वर्मा ने जुए के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर यह कार्रवाई की है।

बीते गुरुवार देर रात उप पुलिस अधीक्षक गायत्री ने थनहवा टोला में विश्वनाथ कुशवाहा के निर्माणाधीन मकान में छापेमारी की थी। जहां पर जुआ खेलते हुए 14 लोगों को पकड़ा था, जबकि दो अन्य फरार हो गए थे। आरोपियों के कब्जे से 76,260 रुपए नकद और 5 दोपहिया वाहन की कीमत करीब 5 लाख को जब्त किया गया है। पुलिस ने केस दर्ज आरोपियों के खिलाफ विवेचना शुरू कर दी है।

डीएसपी ने मारा छापा, 14 जुआरियों को पकड़ा: दरअसल, डीएसपी गायत्री तिवारी को 21 जनवरी देर रात गश्त के दौरान सूचना मिली थी, कि थनहवा टोला में विश्वनाथ कुशवाहा के निर्माणाधीन मकान में जुआ खेला जा रहा है, जहां ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाई जा रही है। डीएसपी तिवारी ने जुआरियों को पकड़ने के लिए तुरंत एक पुलिस टीम का गठन किया और मौके पर जाकर दबिश दीं। जहां पर पुलिस ने तत्काल 14 जुआरियों को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य रावेंद्र सिंह और हितेश त्रिवेदी उर्फ हित्तू मौके से फरार हो गए।

आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से कुल 76,260 रुपए नकद जिनमें 43,100 जेब और 33,160 फड़ से और 5 दोपहिया वाहन जिनकी अनुमानित कीमत 5लाख है जब्त किया गया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को जेल भेज दिया है।

एसपी बोले- टीआई पर इसलिए कार्रवाई की, ताकि जांच प्रभावित न कर सकें: एसपी डॉ. रविंद्र वर्मा ने कहा कि अलग-अलग जगहों से कई महीनों से सूचना मिल रही थी, कि थनहव टोला नामक स्थान में जो की कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां पर रात के समय लोग बैठकर जुआ खेलते हैं।पहले कोतवाली के थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय को कार्रवाई के लिए कहा गया था, बाद में डीएसपी गायत्री तिवारी के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया, जिसके बाद डीएसपी तिवारी ने छापेमारी कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि दो अन्य फरार हैं। थाना प्रभारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई इसलिए की है, ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सकें।

सिंगरौली के अवैध स्पा सेंटर पर कार्रवाई

नियमों के उल्लंघन पर दो स्पा सेंटर सील, कई संचालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में बैढन थाना पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शनिवार को दो स्पा सेंटर पर छापेमारी की। नियमों का उल्लंघन करने पर दोनों स्पा सेंटर को सील कर दिया गया।

बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया है कि बेलौंजी में स्थित 777 थाई स्पा सेंटर और केंडल थाई स्पा सेंटर पर दोपहर में कार्रवाई की गई। जांच में पाया गया कि दोनों स्पा सेंटर ट्रेड लाइसेंस और गुमास्ता की शर्तों का पालन नहीं कर रहे थे। नगर निगम के कर्मचारियों ने पंचनामा बनाकर दोनों सेंटर को सील किया।

शहर के कई स्पा सेंटरों में अनैतिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के मद्देनजर पुलिस ने यह औचक निरीक्षण किया। छापेमारी की खबर फैलते ही कई स्पा संचालक अपने सेंटर बंद कर फरार हो गए। इस कार्रवाई में नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर आरपी वैश्य अपनी टीम के साथ और कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे।

दिनदहाड़े घर में चोरी, एक घंटे में चोरों ने 4 लाख उड़ाए, पुलिस अभी भी मौके पर नहीं पहुंची

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अमलाई थाना क्षेत्र के देवरी वार्ड-6 में शनिवार को एक घर से चोरों ने ढाई किलो चांदी और एक तोला सोना समेत 4 लाख रुपए उड़ा ले गए। घटना शुक्रवार शाम की है। बब्बी राव अपने पुत्र के साथ शाम 4:30 बजे घर में ताला लगाकर सब्जी खरीदने गई थीं।

वह 5:30 बजे घर लौटीं तो घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो चारों कमरों के ताले टूटे थे। अलमारी खुली थी और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने ढाई किलो चांदी के जेवर, एक तोला से अधिक सोना और 15 हजार रुपए नगद चुरा लिए।

पीड़िता ने तुरंत अमलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। लेकिन शनिवार दोपहर तक, यानी 24 घंटे बाद भी पुलिस मौके का मुआयना करने नहीं पहुंची। इससे पीड़ित परिवार नाराज है।

थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि वह छुट्टी पर हैं और उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

बर्थडे पार्टी के दौरान शराबियों ने किया हमला

युवक को लाठी-डंडों से पीटा, हाथ टूटा और सिर में गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के शिवपुरवा गांव में शनिवार को एक बर्थडे पार्टी के दौरान शराब के नशे में धुत लोगों ने एक युवक को बुरी तरह पीट दिया। घायल युवक की पहचान हस्तिनापुर गांव निवासी ज्ञानेंद्र प्रजापति के रूप में हुई है। वह अपनी मौसी के घर आया हुआ था।

घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की है। ज्ञानेंद्र पड़ोस में आयोजित बर्थडे पार्टी में अपनी मौसी के परिवार के साथ शामिल हुआ था। पार्टी में कुछ लोग शराब पीकर गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर अरुण प्रजापति, उसका बेटा लाला प्रजापति और एक अन्य व्यक्ति ने ज्ञानेंद्र पर हमला कर दिया।

हमले में ज्ञानेंद्र का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया और सिर में गंभीर चोट आई। उसे जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत अभी नाजुक बनी हुई है।

टीआई बोले- शिकायत पर करेंगे कार्रवाई: कोतवाली थाना प्रभारी सी विवेक द्विवेदी ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल या उसके परिवार की शिकायत मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सिक्योरिटी गार्ड की मौत

गार्ड रूम में फांसी पर लटका मिला 22 साल के युवक का शव, परिजनों का हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के गोदवाली स्थित एक आयरन फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान चितरंगी के रहने वाले 22 वर्षीय हरिवंश सिंह गोंड के रूप में हुई है।

शिफ्ट बदलने के दौरान दूसरे गार्ड को गार्ड रूम में हरिवंश का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही मोरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बैढ़न के ट्रामा सेंटर भेजा।

मृतक के पिता छोटे सिंह ने हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनके बेटे को मारकर फांसी के फंदे पर लटकाया गया है। छोटे सिंह पहले इसी फैक्ट्री में काम करते थे, लेकिन दो महीने से उन्होंने काम छोड़ दिया था।

मोरवा थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि अभी तक आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। मृतक अविवाहित था और किसी से विवाद की जानकारी भी सामने नहीं आई है। पुलिस कॉल डिटेल और अन्य लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण आत्महत्या बताया गया है। निजी कंपनी ने मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का आश्वासन दिया है।

किसान ने खुद को मारी गोली

पत्नी को बेटों के साथ जाने से रोका, विरोध में कनपटी पर बंदूक रखकर चलाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के केशवाही चौकी के ग्राम टेंघा में सिकटा टोला निवासी भवानी शंकर पयाशी (50) ने अपनी देसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। घटना के समय उनके दोनों बेटे, बहू और पत्नी मौजूद थे।

घटना रात करीब 2 बजे की है। भवानी शंकर अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करते थे। उनके दोनों पुत्र बाहर रहकर निजी नौकरी करते हैं। मां के साथ हो रही मारपीट की शिकायत पर दोनों बेटे घर आए थे। वे अपनी मां को अपने साथ ले जाना चाहते थे।

पहले दी बेटे को मारने की धमकी, फिर खुद को किया शूट: भवानी शंकर ने पत्नी को बेटों के साथ जाने से मना किया। उन्होंने कहा कि वह अकेले रह जाएंगे। जब पत्नी बेटों के साथ जाने लगी, तो वह घर से देसी पिस्टल लेकर बाहर आए। पहले उन्होंने बेटों को गोली मारने की धमकी दी। बेटे जानते थे कि पिता उन्हें डरा रहे हैं। जब वे मां को लेकर आंगन तक पहुंचे, तभी भवानी शंकर ने अपनी कनपटी पर बंदूक रखकर गोली चला ली।

सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, एफएसएल और फिंगर एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था। मृतक की पत्नी अक्सर बेटों को मारपीट की जानकारी देती रहती थीं।

फिंगर एक्सपर्ट टीम मौके पर पहुंची: चौकी प्रभारी आशीष झारिया ने बताया कि जानकारी हम मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। मौके पर एसडीओपी, थाना प्रभारी बुढार, फिंगर एक्सपर्ट और एफएसएल टीम मौके पर पहुंच जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को अस्पताल ले जाया जा रहा है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कम ब्याज पर लोन का झांसा, 60 महिलाओं से ठगी

फर्जी माइक्रोफाइनेंस कंपनी का एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर के कोतमा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को फर्जी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के नाम पर महिलाओं से ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है शिकायतकर्ता श्यामवती सिंह (45) ने बताया कि दो लोगों ने गांव में आकर खुद को आभास माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन कंपनी का कर्मचारी बताया। उन्होंने कम ब्याज पर महिला समूहों को लोन देने का वादा किया।

आरोपियों ने 14 फरवरी 2025 को कोतमा के रेस्ट हाउस रोड पर अपना कार्यालय बनाया। वहां क्षेत्र के 8-10 गांवों से करीब 60-65 महिलाओं को बुलाया। हर महिला से लोन की राशि के हिसाब से 2050 से 3550 रुपए तक की फीस ली गई। आरोपियों ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि शाम तक उनके खातों में लोन की राशि आ जाएगी। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी मनोज कुमार बिंद और उसका साथी संजय गिरी ने फर्जी रसीदें देकर महिलाओं से पैसे ऐंठे। फीस लेने के बाद दोनों ऑफिस बंद कर फरार हो गए।

पुलिस ने एक टीम को मिर्जापुर-जौनपुर (उत्तर प्रदेश) भेजा, जहां से मनोज कुमार बिंद को गिरफ्तार किया गया। दूसरा आरोपी संजय गिरी अभी फरार है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

इस प्रकार की घटना पहले कुराव प्रयागराज, सकलडीहा जिला चंदौली उत्तर प्रदेश, ब्योहारी जिला शहडोल और कोतमा क्षेत्र में अपने दोस्त संजय गिरी के साथ धोखाधड़ी करना चुके हैं। आरोपी मनोज कुमार बिंद पिता लौ धर बिना 43 साल निवासी गंगावती जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश के पास से धोखाधड़ी के 1 लाख 48 हजार 500 रुपए और फर्जी रसीद आभास माइक्रो-फाइनेंस एसोसिएशन कंपनी की और महिलाओं से एकत्रित किए गए आधार कार्ड, बैंक खाता पासबुक की फोटोकॉपी सहित अन्य जब्त कर गिरफ्तार किया गया है, एक अन्य आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नई शराब नीति का दिखा असर

15 में से सिर्फ 9 समूहों के ठेकेदारों ने किया आवेदन, नगर की 4 दुकानें होंगी बंद

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में आबकारी नीति 2025-26 के तहत शराब दुकानों के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले में 160 करोड़ रुपए के 15 शराब दुकान समूहों की 39 दुकानों की नीलामी होनी है।

नवीनीकरण के लिए 15 में से केवल 9 समूहों के ठेकेदारों ने आवेदन किया है। यह कुल आरक्षित मूल्य का 42.9 प्रतिशत है। आबकारी नीति के मुताबिक नवीनीकरण के लिए कुल आरक्षित मूल्य का 80 प्रतिशत आवेदन आना जरूरी है।

चार शराब दुकानें 1 अप्रैल से होगी बंद: पन्ना नगर पालिका की चार शराब दुकानें 1 अप्रैल से बंद कर दी जाएंगी। बाकी बचे अजयगढ़, धरमपुर, गुनौर, अमानगंज, पवई और मोहेन्द्रा समूहों के लिए लॉटरी आवेदन मांगे गए हैं।

इच्छुक आवेदक जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय, संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन, इंद्रपुरी पन्ना में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

जिला अस्पताल में डॉक्टर पर मारपीट का आरोप, एक्सरे दिखाने गए मरीज के परिजन को बंद कमरे में पीटा, केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिला अस्पताल में शुक्रवार देर रात मरीज के परिजनों ने दो डॉक्टरों पर मारपीट का आरोप लगाया है। मरीज के रिश्तेदार लोकेंद्र पटेल ने बताया कि डॉक्टर राजेश मिश्रा और एक अन्य डॉक्टर ने उसे बंद कमरे में थप्पड़ मारे और अभद्रता की। खजुवा निवासी लोकेंद्र पटेल ने बताया कि वह शुक्रवार को अपने मामा वीरेंद्र पटेल को लेकर अस्पताल आए थे। दोपहर 3 बजे घास काटते समय हंसिया लगने से वीरेंद्र का बायां हाथ घायल हो गया था। शाम 5 बजे उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आरोप- डॉक्टरों ने मारे थप्पड़, अभद्रता की: डॉक्टर ने ऑपरेशन से पहले एक्सरे कराने को कहा। लोकेंद्र ने बाहर से पैसे देकर एक्सरे करवाया। जब वह इमरजेंसी में डॉक्टर को एक्सरे दिखाने पहुंचे, तो वार्ड बॉय ने बताया कि डॉक्टर नहीं हैं।

अनूपपुर में छत्तीसगढ़ की 6 महिलाएं गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। वेंकटनगर साप्ताहिक बाजार से चोरी करने वाली छत्तीसगढ़ की 6 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है।

घटना 20 फरवरी की है। छत्तीसगढ़ के गौरेला जिले के मोहम्मद इकबाल ने पुलिस को बताया कि वेंकटनगर बाजार में उनकी रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर शाम 5:30 बजे 4-5 महिलाएं आईं। कपड़े देखने के बहाने उन्होंने 5 जींस और 3 शर्ट चुरा लिए। इसी दौरान पूजा चौधरी का पर्स भी चोरी हो गया, जिसमें मोबाइल और 400 रुपए थे।

व्यवहार न्यायालय चुरहट एवं रामपुर नैकिन में हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन, व्यवहार न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति नृपेन्द्र सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजया विश्वकर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल त्रिपाठी तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला के द्वारा शनिवार 22 फरवरी को सिविल न्यायालय परिसर चुरहट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश ने अधिवक्तागण एवं आमजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही दिनकर ने 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत एवं नेशनल लोक अदालत में निराकृत होने वाले प्रकरणों में न्यायालय फीस की वापसी के बारे में विस्तार से बताया।

सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी ने म.प्र. राज्य विधिक सेवा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी के साथ शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, व्यवहार न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति नृपेन्द्र सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजया विश्वकर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल त्रिपाठी तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ विनोद सिंह बघेल, सचिव अधिवक्ता संघ ब्रम्हर्षि पाण्डेय, आदित्य भान सिंह, रामविलास पटेल, हरिशंकर पयासी, विवेकानंद शर्मा, राजीव लोचन सिंह, अर्जुन सोनी, सिद्धार्थ पाण्डेय सहित अन्य अधिवक्तागण व्यवहार न्यायालय चुरहट के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में व्यवहार न्यायालय रामपुर नैकिन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, द्वितीय जिला न्यायाधीश/श्रृंख्ला न्यायालय रामपुर नैकिन मनीष कुमार श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन, व्यवहार न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति परमानंद सनोडिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरहम खान तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला के द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में अध्यक्ष अधिवक्ता संघ यू.पी. गर्ग, सचिव अधिवक्ता संघ राजेश द्विवेदी, उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता संघ नागेन्द्र शुक्ला, पैनल अधिवक्ता सुधेन्द्र कुमार तिवारी, सहित अन्य अधिवक्तागण एवं व्यवहार न्यायालय रामपुर नैकिन के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रधान जिला न्यायाधीश सीधी प्रयाग लाल दिनकर ने अपील की है कि 08 मार्च को न्यायालय में उपस्थित होकर अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कराये तथा विवाद विहीन समाज की संकल्पना में न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की खुलेआम उड़ा रहे धज्जियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश व निर्देश पर प्रदेश पुलिस मुख्यालय एवं जिले के आला पुलिस अधिकारियों के जारी स्पस्ट आदेश व निर्देश के बाद भी जिले के थानों मे काम कर रहे पुलिस कर्मचारी कुछ समझने, मानने के लिए तैयार नही हैं।

सुप्रीमकोर्ट ने अरनेश कुमार विरूद्ध बिहार राज्य के मामले मे आदेश जारी करते हुए कहा है कि सात साल या उससे कम के आपराधिक मामलों मे प्रावधान का पालन सुनिश्चित किए जांय यदि बहुत आवश्यक न हो तो आरोपी को बिना मामले की जांच किए गिरफ्तार न किया जाय, अरनेश कुमार के मामले के बाद कई अन्य मामलों भी इसी आशय के निर्देश दिए गये है और कहा गया है कि गिरफ्तार किए जाने पर गिरफ्तारी के कारण स्पस्ट लेख किए जायें, यह निर्देश केवल पुलिस के लिए नहीं बल्कि न्यायालयों के लिए भी जारी कर कहा गया है कि अरोपी को ऐसे मामलों मे जमानत पर छोड़ देना चाहिए और जमानत खारिज की जाती है तो कारण स्पस्ट लिखे जांय, लेकिन थाना मे पदस्थ अधिकारी व कर्मचारी सुप्रीमकोर्ट व पुलिस मुख्यालय तथा जिले के आला पुलिस अधिकारियों के जारी आदेश और निर्देश की अनुचित लाभ की चाहत मे, खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं।

समाजवादी नेता जिला अधिवक्ता संघ रीवा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बघेल एडवोकेट ने थाना बैकुंठपुर के धारा 354 भा द वि एक मामले का उल्लेख करते हुए पुलिस की कार्रवाई पर आक्रोश ब्यक्त किया है और अफसोस जताते हुए जिले के आला पुलिस अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कर कहा है कि सुप्रीमकोर्ट के जारी आदेशों और निर्देशों का शक्ती से पालन सुनिश्चित कराएं और दोषी पुलिस कर्मियों को दण्डित किया जाय।

विचार

सज्जन कुमार पर फैसला आने में 40 साल क्यों लगे

एक बहुत ही महत्वपूर्ण खबर, जो भारतीय सत्ता अधिष्ठान, राजनीति और न्यायिक व्यवस्था की बखिया उधेड़ती है, उसे ज्यादातर अखबारों ने अंदर के पन्नों में बहुत ही सीमित शब्दों में समेट दिया। गत दिनों वर्ष 1984 के दिल्ली सिख नरसंहार से जुड़े एक और मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को विशेष अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया। यह निर्णय देश में सैकुलरवाद के भद्दे चेहरे को भी रेखांकित करता है। दोहरा हत्याकांड 1 नवम्बर 1984 को हुआ। प्राथमिकी 7 साल बाद अक्तूबर 1991 में दर्ज हुई। अदालत का फैसला अपराध के 40 साल बाद 12 फरवरी 2025 को आया। अब सजा तय करने पर सुनवाई चल रही है। इस मामले में जो एक मुख्य गवाह 14 वर्षीय बच्ची थी, जिसने अपने पिता-भाई के कातिल को पत्रिका में तस्वीर छपने के बाद पहचान लिया था। वह न्याय की प्रतीक्षा करते-करते आज 54 साल की प्रौढ़ महिला हो चुकी है। जिस मामले में पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार को दोषी ठहराया गया है, वह 4 दशक पहले दिल्ली स्थित सरस्वती नगर में पिता-पुत्र की नृशंस हत्या से जुड़ा है। जिंदा जला दिए गए जसवंत सिंह की पत्नी ने अपने पति और बेटे तरुणदीप की हत्या का पूरा मंजर अदालत में बयां किया था। सज्जन पर अब तक 7 मासूमों की हत्याओं का दोष सिद्ध हो चुका है। दिल्ली कैंट के पालम कॉलोनी में भी 1-2 नवम्बर 1984 को 5 लोगों को मार डाला था। इस मामले में वर्ष 2018 में सज्जन को दिल्ली उच्च न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। यह भारतीय राजनीति की विडम्बना है कि उपरोक्त दोनों ही नृशंस घटनाओं के समय सज्जन कुमार दिल्ली में कांग्रेस के प्रभावशाली लोकसभा सांसद थे। हत्यारोपी होने के बाद भी सज्जन न केवल दिसंबर 2018 तक कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य रहे, बल्कि बतौर लोकसभा सदस्य 1991-96 और 2004-09 के बीच संसद में कांग्रेस की नुमाइंदगी भी की। साल 2009 के आम चुनाव में भी कांग्रेस ने सज्जन के साथ सिख नरसंहार के अन्य आरोपी जगदीश टाइटलर को दिल्ली से अपना प्रत्याशी बनाया था। परंतु इस प्रकरण पर एक आक्रोशित सिख पत्रकार द्वारा तत्कालीन गृहमंत्री पी.चिदंबरम पर जूता फैंकने के बाद पार्टी ने दोनों का टिकट काट दिया। तब सज्जन की जगह उनके भाई रमेश कुमार ने कांग्रेस की टिकट पर सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। वास्तव में, देश में इस प्रकार की घटनाओं के दोहराव के लिए वे छद्म-सैकुलरवादी जिम्मेदार हैं, जो प्रत्येक घटनाओं को अपने संकीर्ण वैचारिक-राजनीतिक दृष्टिकोण से देखते हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर उस पर प्रतिक्रिया देते हैं। 27 फरवरी 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन पर जिहादियों ने भजन-कीर्तन कर रहे 59 कार सेवकों को ट्रेन में जिंदा जला दिया। इस घिनौनी घटना के बाद गुजरात में दंगे भड़क गए।

मुयमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुयमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुयमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परपरा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुयमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी।

दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है। मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा। दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि

47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है।

बदलते शैक्षणिक परिदृश्यों में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित एवं संयमपूर्वक किया जाना नितांत अपेक्षित होना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं।

सड़क हादसे में 3 महाकुंभ श्रद्धालुओं की मौत, 8 घायल

एक्सयूबी की डिक्की काटकर निकाले गए शव, अंबिकापुर में भी पलटी तेज रफ्तार कार

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में 2 अलग-अलग सड़क हादसे में महाकुंभ के 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हैं। पहला हादसा कोंडागांव में हुआ है। यहां 2 लोगों की मौत हो गई और 4 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं अंबिकापुर में 1 की मौत हुई है। 4 लोग घायल हैं।

कोंडागांव में मरने वालों का नाम गीता शेखर (49) और संतोष रेड्डी (45) है। दोनों बेंगलुरु के रहने वाले थे, जो कुंभ रहे थे। कार की डिक्की काटकर शवों को निकाला गया। वहीं अंबिकापुर में बबलू कुमार मंडल (65) की जान गई है, जो अंबिकापुर के गांधीनगर का रहने वाला था। ये कुंभ से लौट रहे थे।

कोंडागांव में पहला हादसा-2 की मौत: मिली जानकारी के मुताबिक बेंगलुरु से एक परिवार प्रयागराज महाकुंभ जा रहा था, तभी सुबह 6 बजे नेशनल हाइवे 30 पर हादसे का शिकार हो गए। उनकी कार बोरगांव और फरसगांव के बीच पुल से टकराकर पलट गई। हादसे में 2 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं।

घायलों को फरसगांव अस्पताल से रायपुर रेफर कर दिया गया है। घायलों में एस सुषमा (38), विशाल रेड्डी (10) एस शोभा (39) और ड्राइवर रवि तेजा (35) शामिल है। हादसे में कार पूरी तरह से डैमेज हो गई है।पुलिस के मुताबिक, झङ्क कार में सवार सभी 6 लोग एक ही परिवार के थे।

अंबिकापुर में दूसरा हादसा-1 की मौत, 4 घायल: वहीं प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग पर गणेशपुर के पास शनिवार को तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई है। कार सवार 4 लोग घायल हो गए। संजीवनी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। मामला प्रतापपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, टोयोटा कार सवार सभी एक ही परिवार के थे। वे प्रयागराज से लौट रहे थे, तभी सुबह 5 बजे कार के सामने अचानक सियार के आ जाने पर चालक ने ब्रेक लगाया। कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में बबलू कुमार मंडल (65) के सिर में चोट आई।

बुजुर्ग ने इलाज के दौरान तोड़ा दम: राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला और निजी वाहनों से अंबिकापुर लाया गया। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में बबलू कुमार मंडल को जांच के बाद डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य घायलों का इलाज जारी है। उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

गर्भवती महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत

परिजनों ने सुपेला अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का लगाया आरोप, अधीक्षक ने किया इनकार

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में गर्भवती महिला के बच्चे की गर्भ में ही मौत हो गई। डॉक्टर ने प्रसूता को 24 घंटे से अधिक समय तक अस्पताल में रखा। जब केस बिगड़ने लगा, तो उसे दुर्ग जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि, बच्चे की गर्भ में मौत हो गई है।

जिसके बाद शनिवार को परिजनों ने सुपेला अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. पीयम सिंह से शिकायत कर न्याय की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि, सुपेला अस्पताल की महिला डॉक्टर अगर सही समय पर प्रसूता को जिला अस्पताल रेफर करते तो बच्चे की जान बच जाती।

मितानिन उर्वशी देवांगन ने बताया कि, 17 फरवरी को पल्लवी यादव को प्रसव पीड़ा हुई थी। जब उसने देखा कि बच्चा होने का समय नजदीक है, तो उसने परिजनों को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला लेकर जाने की सलाह दी।

मितानिन बोली- लेडी डॉक्टर ने बरती लापरवाही: मितानिन ने बताया कि, इस पूरे केस में अस्पताल की लेडी डॉक्टर की लापरवाही है। उसने बताया कि, प्रसूता को इतनी अधिक पीड़ा हो रही थी कि, वो पूरी रात अस्पताल में चलती रही। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे समझाया और कहा कि, नार्मल डिलीवरी हो जाएगी। इसके बाद सुबह उसका चेकअप नहीं किया। अगले दिन शाम को जब उसकी तबीयत अधिक खराब हुई तो अस्पताल के स्टाफ ने कहा कि, प्रसूता को जिला अस्पताल ले जाओ। यहां रात में सीजर ऑपरेशन नहीं होता। इसके बाद जिला अस्पताल ले गए, तो वहां डॉक्टरों ने शिफ्ट चेंज होने की बात कहकर काफी देरी की। रात में देखने पर बच्चे को मरा बता दिया गया। इसके बाद सीजर से साढ़े तीन किलो का बच्चा निकाला गया।

अस्पताल अधीक्षक ने परिजनों के आरोप को बताया गलत: सुपेला अस्पताल के प्रभारी पीयम सिंह ने परिजनों के आरोप को गलत बताया। उन्होंने कहा कि, प्रसूता महिला डॉक्टर को जांच करने ही नहीं दे रही थी। इसके बाद भी डॉक्टरों ने उसे समझाकर उसकी जांच की। जब पता चला कि, बच्चे की धड़कन कम हो गई है, तो तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। इसमें कही भी कोई लापरवाही नहीं की गई।

गार्बेज फ्री सिटी और ओडीएफ प्लस पर दिया जायेगा विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का महाअभियान स्वच्छ भारत मिशन की संकल्पना को पूरा करते छत्तीसगढ़ प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर राम नरेश राय ने स्वच्छता सर्वेक्षण गार्बेज फ्री सिटी और ओडीएफ प्लस को पूरा करने की दिशा में शनिवार को महापौर स्वयं नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद आचला के साथ स्वच्छता टीम की उपस्थिति में शहर के शहीद राजेश पटेल स्मारक चौक, डोमनहिल एसएलआरएम सेंटर एवं हल्दीबाड़ी में साफ़-सफ़ाई, शहर सौंदर्यकरण सहित अन्य मूलभूत आवश्यकताओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर राम नरेश राय ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने नगर में साफ़-सफाई बनाए रखें, उन्होंने बताया कि नगर के नागरिकों को मूलभूत समस्याओं व उनकी आवश्यकताओ को निराकृत करने की दिशा में हमारी सरकार संकल्पित है।

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से टकराई कार, 1 महिला की मौत

मछुआरे को बचाने के चक्कर में हादसा, रायपुर आ रहा था परिवार, पति-बच्चों समेत 5 घायल

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। धमतरी जिले में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसे में उसके पति और बच्चों समेत 5 लोग घायल हुए हैं। जगदलपुर से रायपुर जा रही तेज रफ्तार कार का मोपेड सवार मछुआरे को बचाने के चक्कर में बैलेंस बिगड़ गया और ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र के ग्राम कोडेबोड़ का है। पुलिस के मुताबिक अनियंत्रित कार डिवाइडर से उछल कर नेशनल हाईवे की दूसरी लाइन पर चली गई थी वहां ट्रैक्टर को टक्कर मारी जिससे कार में सामने बैठी संध्या देवांगन (50) की मौत हो गई।

इलाज के दौरान महिला ने तोड़ा दम: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पेट्रोल भी फैल गया था। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान संध्या देवांगन (50) ने दम तोड़ दिया।

ये है पूरी घटना: बिरेझर चौकी पुलिस के मुताबिक, कार में सवार देवांगन परिवार जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। जिसमे पति-पत्नी और उनके दो लड़के सवार थे। तभी मोपेड में एक मछुआरा नेशनल हाईवे को क्रॉस कर रहा था। उसको बचाने के चक्कर में कार मोपेड को ठोकर मारी। इसके बाद कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से उछल कर नेशनल हाईवे की दूसरी लाइन रोड पर चली गई। वही रायपुर की ओर से मजदूरों से भरा ट्रैक्टर आ रहा था जो गांव की और टर्निंग ले रहा था जिससे कार टकरा गई।

हादसे में 5 लोग घायल: हादसे में कार सवार पति मनोज देवांगन (60) सुमित देवांगन (29) अमन देवांगन (24) मोपेड सवार ग्राम बकली निवासी ईश्वर तारक और ट्रेक्टर चालक श्रीराम साहू घायल हुए है। जिनका कुरूद के अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं ट्रेक्टर में सवार सभी मजदूर ट्राली में बैठे रहने से बाल बाल बच गए।

जांच में जुटी पुलिस: हादसे के बाद नेशनल हाईवे जाम की स्थिति बन गई थी जिसको मौके पर पहुंची पुलिस ने क्लीयर कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

देवेंद्र यादव, सुबोध, ढेबर, आकाश समेत 13 पर एफआईआर

सड़क जाम में यात्री बसें, पब्लिक और एंबुलेंस फंसी रही, एक दिन पहले जेल से छूटे

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, सुबोध हरितवाल, आकाश शर्मा समेत 13 लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में देवेंद्र यादव 7 महीने बाद शुक्रवार को जेल से रिहा हुए। पुलिस ने जश्न के दौरान सड़क जाम करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है। एफआईआर के मुताबिक, देवेंद्र यादव के जेल परिसर से बाहर आने के बाद ये सभी नेता 500 से 600 की संख्या में सड़क पर जमा हो गए। जेल गेट के ठीक सामने कई गाड़ियां खड़ी कर दी गईं, जिससे पूरी सड़क जाम हो गई। चेतावनी दिए जाने के बावजूद किसी ने नहीं सुनी। कई यात्री बसें, आम लोग और एंबुलेंस भी जाम में फंसी रहीं।

देवेंद्र बोले- जहां उनकी जरूरत होगी वे बिना डरे जाएंगे: इसके पहले दैनिक भास्कर से बातचीत में देवेंद्र ने कहा था जहां उनकी जरूरत होगी वे बिना डरे जाएंगे। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच मांगी है। देवेंद्र को बर्थडे के दूसरे दिन 20 फरवरी को बेल मिली थी। वे 17 अगस्त 2024 से यानी 188 दिन जेल में बंद थे। इसके साथ ही भिलाई विधायक को सुप्रीम कोर्ट ने एक और राहत दी है। देवेंद्र की विधायकी निरस्त करने वाली पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय की याचिका पर रोक लगा दी गई है। प्रेम प्रकाश पांडेय की याचिका हाईकोर्ट में सुनवाई के लायक है या नहीं, अप्रैल में इस पर सुनवाई होगी। देवेंद्र ने अपने खिलाफ दायर अर्जी को खारिज करने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

आपराधिक केस और संपत्ति की जानकारी छिपाई-प्रेम प्रकाश पांडेय: देवेंद्र यादव की विधायकी को चुनौती देते हुए प्रेमप्रकाश पांडेय ने हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इसमें देवेंद्र यादव पर नामांकन पत्र में आपराधिक केस और संपत्ति की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया गया। याचिका में बताया गया कि चुनाव आयोग प्रत्येक प्रत्याशी से शपथपत्र में आपराधिक और संपत्ति संबंधी मामलों की जानकारी मांगता है।

लेकिन, आयोग से जानकारी छिपाना प्रावधानों का उल्लंघन है। कोई उम्मीदवार इस तरह की जानकारी छिपाता है, तो उसका निर्वाचन शून्य घोषित किया जा सकता है। याचिका में कहा गया है देवेंद्र यादव ने जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन कर अपनी संपत्ति की जानकारी छिपाई है। साथ ही आपराधिक केस का भी शपथपत्र में जिक्र नहीं किया है।

छत्तीसगढ़ के निगमों में सभापति तय करेंगे पर्यवेक्षक

भाजपा ने सांसद संतोष पांडे समेत 10 नेताओं को दी जिम्मेदारी, जानिए कहां किसके नाम की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों में अब सभापति का चुनाव किया जाना है। भाजपा ने इसके लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। सभी 10 निगमों के लिए 10 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें सांसद संतोष पांडे, धरमलाल कौशिक, नारायण चंदेल जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। वहीं, सभापति के लिए दावेदारों के नाम भी सामने आने लगे हैं। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति पर सांसद संतोष पांडेय ने दैनिक भास्कर बताया कि, संगठन की ओर से मिलने वाली गाइडलाइन के तहत सभापति चुने जाएंगे। पार्टी कार्यालय में बैठक होगी। जल्द ही प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। सभापति के नामों पर स्थानीय स्तर पर चर्चा की जाएगी। पार्षदों में से योग्य को जवाबदारी दी जाएगी।

रायपुर:- रायपुर निगम में सूर्यकांत राठौर, मनोज वर्मा और संरिता दुबे को भाजपा सभापति के लिए आगे कर सकती है। सूर्यकांत राठौर 5वीं बार पार्षद चुनकर आए हैं। एक बार वे नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। निगम में सीनियर पार्षद होने के साथ ही वे तेज तर्रार नेता हैं। निगम के प्रावधानों की भी अच्छी जानकारी रखते हैं। वहीं, मनोज वर्मा पिछले कार्यकाल में उपनेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इस बार सभापति की रेस में हैं। सरिता दुबे के नाम की चर्चा है। महापौर पद को लेकर भी उनके नाम की चर्चा थी। इस बार उन्हें सभापति बनाए जाने की बात संगठन में हो रही हैं। हालांकि भाजपा हमेशा सही मौके पर चौंकाती रही है।

रायगढ़:- रायगढ़ में सभापति को लेकर सुरेश गोयल, पूनम सोलंकी और डिग्री साहू के नाम की चर्चा है। सुरेश गोयल पिछले करीब 45 सालों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे तीन बार पार्षद और एक बार सभापति का प्रभार भी संभाल चुके हैं। सुरेश नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं।

इसके अलावा 18 नंबर वार्ड की पार्षद पूनम सोलंकी, जो इस बार निर्विरोध निर्वाचित हो चुकी हैं। उनका नाम भी सभापति की रेस में है। तीसरा नाम कज कंकरवाल का है, वो पिछले करीब 27 सालों से सक्रिय राजनीति में हैं। वे 5वीं बार पार्षद बने है। एक बार नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं।

दुर्ग:- दुर्ग में सभापति को लेकर सबसे अधिक चर्चा कांशीराम कोसरे, लीना दिनेश देवांगन और नरेंद्र बंजारे के नाम पर चल रही है। कांशीराम कोसरे लगातार 5वीं बार पार्षद बने हैं। महापौर कुर्मी समाज हैं, इसलिए कोसरे के सभापति बनने के असार अधिक है। लीना दिनेश देवांगन भी 5वीं बार पार्षद बनी है। उन्हें काफी अनुभव भी है। इसके अलावा, नरेंद्र बंजारे चौथी बार पार्षद बने हैं। वो केंवट समाज से आते हैं। भाजपा इस समाज को भी साध सकती है।

धमतरी:- धमतरी से सभापति के लिए 3 नाम आगे चल रहे हैं। नीलेश लुनिया भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल महामंत्री रहे हैं। वो दूसरी बार पार्षद बने हैं। इसके अलावा, नवनिर्वाचित पार्षद ताल्लिनपुरी गोस्वामी और मेघराज सिंह ठाकुर भी रेस में हैं।

कोरबा:- कोरबा में सभापति के लिए मंत्री लखनलाल देवांगन के भाई नरेंद्र देवांगन, पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, पूर्व सभापति और पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चावलानी, तीसरी बार पार्षद बने चंद्रलोक सिंह, नूतन सिंह ठाकुर और लक्ष्मण श्रीवास के नाम की चर्चा है।

राजनांदगांव:-राजनांदगांव में सभापति पद के लिए भाजपा के सीनियर पार्षद पारस वर्मा का केवल एक नाम चल रहा है।

अंबिकापुर:- अंबिकापुर में सभापति के लिए 5 बार के पार्षद आलोक दुबे का नाम सबसे आगे चल रहा है। सीनियर और कानून के जानकार है। दूसरी बार पार्षद बने मनीष सिंह भी रेस में है। इनका परिवार जनसंघ से जुड़ा रहा है। हरमिंदर सिंह लगातार तीसरी बार पार्षद चुने गए हैं। पहली बार ये निर्दलीय लड़े थे।

कांकेर के भिरवाही में टेंट हाउस में लगी आग

गद्दा, तकिया, कुर्सी जलकर राख, 2 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कांकेर से सटे ग्राम भिरवाही में एक टेंट हाउस में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। जिससे टेंट हाउस में रखा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला है। आग लगने की सूचना के 2 घंटे बाद ही आग को बुझा लिया गया था। हादसे में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया: स्थानीय लोगों ने बताया कि रात करीब 1 बजे सड़क से गुजर रहे लोगों ने आग की लपटें देखीं। उन्होंने तुरंत टेंट हाउस के मालिक सुरेंद्र निषाद को सूचना दी। मालिक ने तत्काल फायर ब्रिगेड को बुलाया। टीम के पहुंचने तक मालिक और ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके। फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया।

गद्दा, तकिया, कुर्सी जलकर राख: टेंट हाउस के मालिक ने जानकारी दी कि आग की घटना में गद्दे, प्लास्टिक कुर्सी, स्टील कुर्सी, तकिए और अन्य सामान जलकर राख हो गए। आग बुझने के बाद आसपास के मोहल्लेवासियों ने राहत की सांस ली।

जांच में जुटी पुलिस: कोतवाली पुलिस के मुताबिक, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कुछ लोगों का मानना है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। वहीं कुछ लोग इसे असामाजिक तत्वों की करतूत भी मान रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेना की जमीन पर अवैध उत्खनन, रोक लगाने कमांडर ने 4 बार लिखा पत्र,लेकिन कोई एक्शन नहीं, कॉलोनाइजर बोला-कलेक्टर ने दी थी अनुमति

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में सेना की जमीन पर अवैध उत्खनन रोकने के लिए कई बार जिला प्रशासन और पुलिस को दी जानकारी दी गई। लेकिन, अफसरों ने इसे नजर अंदाज कर दिया। वहीं, कलेक्टर ने कॉलोनाइजर को अवैध उत्खनन करने की अनुमति दे दी।

यह जानकारी सेना और कॉलोनाइजर ने हाईकोर्ट को अपने शपथपत्र में दी है। वहीं, दूसरी तरफ शासन ने जांच रिपोर्ट और जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा है। अब केस की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

दरअसल, चकरभाटा एयरपोर्ट पर आर्मी की जमीन में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मुरुम की खुदाई चल रही है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल ने इस केस को जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। हाईकोर्ट के निर्देश पर और आर्मी की तरफ से कर्नल अनुपम श्रीमाली ने शपथपत्र दिया है। इसमें बताया कि 9 अप्रैल 2024 को प्रशासन को पत्र लिखकर इसके बारे में बताया था।

इसके अलावा 16 अप्रैल 2024 को मुख्यालय छत्तीसगढ़ और ओडिशा उप क्षेत्र के कमांडर ने एयरपोर्ट और चकरभाटा में आर्मी की जमीन का निरीक्षण किया था। इस दौरान आर्मी की जमीन की सुरक्षा, अतिक्रमण और अवैध खनन पर चर्चा हुई। उन्होंने राजस्व अधिकारियों और पुलिस से अवैध गतिविधियों को रोकने की अपील की थी। इसके साथ ही इस संबंध में 30 अप्रैल 2024 को पत्र भी लिखा गया था।

इसके बाद 13 दिसंबर 2024 को कलेक्टोरेट बिलासपुर में बैठक हुई। इसमें कलेक्टर को सभी अवैध गतिविधियां रोकने और जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज कराने को कहा गया था। 18 दिसंबर 2024 को हुई बैठक के दस्तावेज भी कोर्ट में पेश किए गए। यह भी बताया कि सेना के अधिकारी नियमित गश्त कर रहे हैं। रायपुर और जबलपुर के अधिकारी भी आर्मी की जमीन का लगातार निरीक्षण करने आते हैं।

कॉलोनाइजर बोला- रायल्टी देकर लिया मुरुम: इस मामले में एक कॉलोनाइजर को भी पक्षकार बनाया गया है। उन्होंने शपथपत्र के साथ प्रस्तुत जवाब में बताया कि सेना की जमीन से निकाले गए मुरूम के उपयोग का आरोप निराधार हैं। उन्होंने बताया कि फॉर्च्यून एलिमेंट कॉलोनी के विकास के लिए सभी कानूनी मंजूरी ली गई है।

नगर पंचायत बोदरी और कलेक्टर बिलासपुर से अनुमति प्राप्त है। इसके अलावा रेरा में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। मुरुम अधिकृत स्रोतों से खरीदी गई है और रॉयल्टी का भुगतान किया गया है।

दो सप्ताह में आएगी पीडब्ल्यूडी की जांच रिपोर्ट: इस मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से बताया गया कि, लोक निर्माण विभाग की प्रयोगशाला में मुरुम की जांच कराई जा रही है। ताकि, यह पता लगाया जा सके कि अवैध खुदाई किस जगह पर की गई है। मुरूम की जांच रिपोर्ट दो हफ्ते में आएगी। सुनवाई के दौरान शासन की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा गया, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2024-25 की तृतीय चरण भरतपुर विकासखंड की सभी सेक्टरों में अधिकारियों की गई नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में तृतीय चरण की मतदान विकासखण्ड भरतपुर की सफल संचालन हेतु प्रशासन ने कमर कस ली है। इस क्रम में विभिन्न मतदान केंद्रों के लिए सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गए मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जिसमे प्रशासन ने जनकपुर के विभिन्न मतदान केंद्रों के लिए अनुभवी अधिकारियों को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया है। इनमें माडीसरई सेक्टर 01 जयन्त कुमार चंदेल (अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जनकपुर) को बडवाही, मेहदौली, सतक्यारी, माडीसरई, बेला, उदकी, हरचौंका, घोरघरा और घुघरी के मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं देवगढ़ सेक्टर 02 गोपाल कारे (प्रभारी उद्यान अधीक्षक, जनकपुर) को चिडौला, कर्री, देवगढ़, जवारीटोला, पूंजी, छिरहाटोला, जनुवा, पडौली और मरखोही के मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार डोम्हरा सेक्टर 03 चरणकेश्वर सिंह (वनपरिक्षेत्र अधिकारी जनकपुर,) को बेलगांव, चरखर, डोम्हरा, सिंगरौली, अमराडंडी, नौढिया और हर्रई के मतदान केंद्रों का दायित्व सौंपा गया है।

इसी प्रकार सेक्टर 04 भरतपुर महावीर पैकरा (सहायक प्राध्यापक, शासकीय नवीन महाविद्यालय, जनकपुर) को लरकोड़ा, बड़काडोल, डोगरीटोला, भरतपुर, कुवारी, कन्नौज, बरहोरी, ओहनिया, पंडरी, सेमरिहा और हथवारी जैसे मतदान केंद्रों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

तेलंगाना में टनल हादसा, 8 मजदूर फंसे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में शनिवार सुबह (श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल) टनल प्रोजेक्ट का एक हिस्सा गिर गया। जिसमें 8 मजदूर फंस गए। हादसा सुरंग के एंट्री पॉइंट से 14 किमी अंदर हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, छत का करीब तीन मीटर हिस्सा ढहा है। टनल का काम काफी समय से रुका हुआ था। चार दिन पहले ही दोबारा काम शुरू किया गया। नागरकुरनूल के स्क्कवैभव गायकवाड़ ने बताया कि सिंचाई परियोजना का काम करने वाली कंपनी की 2 रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। भारतीय सेना और एनडीआरएफ की भी सहायता मांगी गई है। कंपनी के मुताबिक, घटना के दौरान 50 मजदूर घटनास्थल पर मौजूद थे। फंसे हुए लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर और चार मजदूर शामिल हैं।

उत्तराखंड में फॉरेस्ट फंड से आईफोन खरीदे गए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में फॉरेस्ट कंजर्वेशन फंड का इस्तेमाल आई फोन और लैपटॉप खरीदने में किया गया। यह खुलासा किया गया है। फॉरेस्ट एंड हेल्थ डिपार्टमेंट और वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की 2021-22 की रिपोर्ट में बताया गया कि फंड का इस्तेमाल बिना योजना और इजाजत के किया गया था। यह रिपोर्ट उत्तराखंड विधानसभा के बजट सेशन के दौरान 21 फरवरी को सदन में रखी गई। उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा है कि उन्होंने अपने विभाग से संबंधित मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। रिपोर्ट में वृक्षारोपण पर चिंता रिपोर्ट में कहा गया कि 2017 से 2022 तक जो वृक्षारोपण किया गया, उसमें से सिर्फ 33त्न वृक्ष ही जीवित रह पाए। यह फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट की गाइडलाइंस के मानकों से बहुत नीचे हैं। इंस्टिट्यूट के मुताबिक वृक्षा रोपण के बाद 60-65त्न तक वृक्ष जीवित रहने चाहिए।

एअर इंडिया फ्लाइट की टूटी सीट पर बैठे शिवराज

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एअर इंडिया के विमान की टूटी सीट पर बैठकर यात्रा करनी पड़ी। उन्होंने एअरलाइंस की सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। शिवराज भोपाल से दिल्ली जा रहे थे। शिवराज की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने मामले की जांच के साथ ही एयर इंडिया को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद कुरूक्षेत्र स्थित गुरुकुल पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने एयर इंडिया के प्लेन की फटी सीट को लेकर कहा कि अगर कोई चीज गलत होती है उसके लिए चुप होना या कुछ बोलना 2 रास्ते है। इससे लोगों को तकलीफ होती है। यह चीज मैनेजमेंट को पता होनी चाहिए। अगर पैसे लेते हैं तो सुविधा भी दें। शिवराज सिंह की शिकायत के बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को मामले की जांच करने और तुरंत सुधारात्मक उपाय सुझाने के निर्देश दिए हैं।

पीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाए गए शक्तिकांत दास

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री मोदी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी-2 नियुक्त किया गया है। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने शनिवार को यह नियुक्ति की है। कमेटी के सेक्रेटरी मनीष सक्सेना ने नियुक्ति की जानकारी दी। शक्तिकांत दास आरबीआई गवर्नर के पद से 10 दिसंबर को रिटायर हुए थे। 22 फरवरी को उन्हें पीएम का प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। यानी रिटायरमेंट से नियुक्ति के 75वें दिन ही वे प्रधानमंत्री कार्यालय में अहम पद पर पहुंच गए। फिलहाल पीके मिश्रा प्रधानमंत्री मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के नंबर वन पॉजिशन पर हैं। शक्तिकांत दास नंबर 2 होंगे। दास तमिलनाडु कैडर के 1980 बैच के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं। वहीं मिश्रा गुजरात कैडर के रिटायर अधिकारी हैं। दास भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर के अलावा भारत के जी20 शेरपा और 15वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने अपने 42 साल के करियर में वित्त, निवेश और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में काम किया है। शक्तिकांत दास 2023 और 2024 में लगातार दो बार दुनिया के टॉप सेंट्रल बैंकर चुने गए। शक्तिकांत दास को सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2023 और 2024 में ए+ ग्रेड मिला। यह अवॉर्ड अमेरिका के

वॉशिंगटन डी.सी में ग्लोबल फाइनेंस देती है। शक्तिकांत दास को महंगाई पर कंट्रोल, इकोनॉमिक ग्रोथ, करेंसी में स्टेबिलिटी और ब्याज दरों पर नियंत्रण के लिए यह सम्मान दिया गया।

2. गवर्नर के तौर पर दास ने भारत और दुनिया के लिए सबसे अस्थिर दौर कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष जैसे संकटों में भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। कोरोना के दौरान दास के नेतृत्व में आरबीआई ने लिक्विडिटी और एसेट क्वालिटी को बनाए रखने के लिए नए और पुराने आर्थिक नीतियों और उपायों को लागू किया।

किसानों से बातचीत के लिए 3 केंद्रीय मंत्री पहुंचे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल और केंद्र सरकार के बीच छठे दौर की बातचीत चंडीगढ़ में शुरू हो गई। बातचीत के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल आए हैं। पंजाब सरकार की तरफ से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, वित्त मंत्री हरपाल चीमा और लाल चंद कटारूचक्क मौजूद हैं। मीटिंग में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल व किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर की अगुआई में 28 किसान नेता शामिल हैं। खनौरी बॉर्डर से डल्लेवाल को एम्बुलेंस के जरिए चंडीगढ़ लाया गया है। शिवराज सिंह चौहान मीटिंग में आते ही जगजीत सिंह डल्लेवाल के पास पहुंचे। उन्होंने झुककर कुर्सी पर बैठे डल्लेवाल से उनकी सेहत के बारे में पूछा। इसके बाद वह दूसरे किसान नेताओं से मिले। उधर, सरवन पंधेर का कहना है कि उनका 25 फरवरी को दिल्ली कूच का प्रोग्राम है। आज की मीटिंग में पॉजिटिव रिस्पॉन्स नहीं मिला तो किसान दिल्ली कूच करेंगे। मीटिंग में 28 किसान नेता शामिल हैं।

महाकुंभ- मनमाना किराया वसूल रहे बाइक-रिक्शावाले

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का आज 41वां दिन है। मेला खत्म होने में 4 दिन और बचे हैं। आखिरी वीकेंड पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। मेला क्षेत्र के बाहरी हिस्सों में भीषण जाम लगा है। यमुना नदी पर बने ब्रिज की ओर जाने वाला रास्ता करीब 7 घंटे से जाम है। लखनऊ से आई एक महिला ने बताया- शहर के बाहर बस ने उतार दिया। इसके बाद शटल बस से मेले के लिए रवाना हुई। बस में खड़े होकर आना पड़ा। आधे घंटे की दूरी तय करने में 4 घंटे लगे।

प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट्स पर बाहर से आने वाली गाड़ियों को रोक दिया जा रहा है। शहर से बाहर बनी पार्किंग में गाड़ी पार्क करनी पड़ रही। यहां से संगम की दूरी 10 से 12 किमी है।

एंट्री पॉइंट्स पर रोके गए श्रद्धालुओं को कम से कम 10-12 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है। हालांकि, उनकी सुविधा के लिए प्रशासन शटल बसें, ई-रिक्शा, ऑटो, ठेले को चलने दे रहा है। हजारों की संख्या में बाइक वाले भी सवारी ढो रहे हैं। लेकिन, ये सभी मनमाना किराया वसूल रहे हैं।

कर्नाटक में मराठी न बोलने पर बस कंडक्टर की पिटाई

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के बस कंडक्टर पर बेलगावी में मराठी में बात नहीं करने पर लोगों ने उसकी पिटाई की। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सुलेभावी के पास हुई। यह इलाका महाराष्ट्र के बॉर्डर से लगता है। पूरा मामला फ्री टिकट से जुड़ा है। कर्नाटक में महिलाओं की बस टिकट मुफ्त रहती है।

एक पुरुष पैसेंजर फ्री टिकट मांग रहा था। मना करने पर बोला कि मराठी में बोलो, जबकि बस कंडक्टर ने बताया कि, उसे कन्नड़ आती है। जिससे विवाद बढ़ गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने कंडक्टर पर हमला करने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। 14 साल की लड़की द्वारा दर्ज कराई गई जवाबी शिकायत के आधार पर कंडक्टर के खिलाफ पीओसीएसओ अधिनियम के तहत उसके खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया गया है। बेलगावी में मराठी भाषी लोगों की अच्छी खासी आबादी है और उनमें से एक वर्ग जिले को महाराष्ट्र में विलय करने की मांग कर रहा है, जिसका राज्य और वहां रहने वाले कन्नड़ लोग कड़ा विरोध कर रहे हैं।

पीएम से मिलीं दिल्ली की सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के विकास को लेकर पार्टी मैनिफेस्टो और विकास योजनाओं को लेकर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक सीएम ने महिला सम्मान योजना 8 मार्च से लागू करने की घोषणा की है। संभवत- पीएम के हाथों इसकी शुरुआत हो सकती है। इधर, दिल्ली में यमुना की सफाई का काम शुरू होने के बाद अब सड़कों पर पड़े कचरे को हटाने का काम शुरू हो गया है। ष्टरूरेखा गुप्ता ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। उन्होंने अफसरों से साफ पानी की सप्लाई, सड़कों की स्थिति और बिजली ठीक करने का निर्देश दिया था। वहीं, दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखकर मिलने का समय मांगा है। आतिशी ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव के दौरान महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन

कैबिनेट की पहली मीटिंग में इस पर फैसला क्यों नहीं लिया गया। आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 31 जनवरी को द्वारका में एक चुनावी रैली में दिल्ली की माताओं-बहनों से वादा किया था कि भाजपा की सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में सम्मान योजना पर मुहर लगाई जाएगी। महिलाएं खुद को ठगा महसूस कर रही हैं। भाजपा ने कहा है कि 8 मार्च से योजना लागू की जाएगी।

थरूर ने राहुल से पूछा- कांग्रेस में मेरा क्या रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शशि थरूर ने 18 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें संसद के महत्वपूर्ण बहसों में बोलने का मौका नहीं मिलता और पार्टी में उन्हें इग्नोर किया जा रहा है।

थरूर ने कहा कि वह पार्टी में अपनी स्थिति को लेकर असमंजस में हैं और चाहते हैं कि राहुल गांधी उन्हें उनकी भूमिका के बारे में स्पष्ट रूप से बताएं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राहुल गांधी ने थरूर की शिकायतों का कोई खास जवाब नहीं दिया और न ही उनकी कोई गंभीर समस्याओं को

सुलझाया। थरूर को यह महसूस हुआ कि राहुल गांधी इस मामले में कोई भी खास वादा करने को तैयार नहीं थे। पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा की तारीफ की थी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी शशि थरूर से नाराज है

सीकर में पुलिस से भिड़े कांग्रेसी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत छह कांग्रेस विधायकों को सस्पेंड करने के बाद गतिरोध बढ़ गया है। कांग्रेस विधायकों का सदन में धरना जारी है। धरने पर बैठे निलंबित विधायक संजय कुमार जाटव और जाकिर हुसैन गैसावत की तबीयत बिगड़ गई थी। वहीं प्रदेश भर में जिला स्तर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। सीकर कार्यकर्ताओं ने जबरन कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की। इस दौरान कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। विधानसभा में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की टिप्पणी के विरोध में स्पीकर की डायस की तरफ बढ़ने वाले विधायकों पर शुक्रवार को कार्रवाई की गई थी। शुक्रवार देर रात तक सरकार से वार्ता का दौर चला, लेकिन बात नहीं बनी थी। संसदीय कार्य

मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने नेता प्रतिपक्ष के चेंबर में वरिष्ठ विधायकों से वार्ता की थी। पर सहमति नहीं बन पाई थी। इसके बाद कांग्रेस विधायक सदन में ही रात गुजारी और धरने के दौरान कांग्रेस विधायकों ने रामधुनी भी की। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस ने वैल में आकर हंगामा किया था। अविनाश गहलोत ने सवाल के जवाब में कहा था कि 2023-24 में आपकी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर योजना का नाम रखा था। मंत्री की इस टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर भारी हंगामा किया। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि दादी सम्मानित शब्द है। पटेल बोल रहे थे इसी दौरान हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस विधायक स्पीकर की टेबल तक पहुंचने लगे। इसी दौरान स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को आंधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया। इस मुद्दे पर बने गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही चार बार स्थगित हुई।

जमानत पर आसाराम इंदौर में प्रवचन दे रहा, एक हजार से ज्यादा लोग आ रहे आश्रम

इंदौर (एजेंसी)। नाबालिग और महिला से रेप केस में सजा काट रहा आसाराम जमानत मिलने के बाद इंदौर पहुंचा है। यहां कोर्ट द्वारा दी गई जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर वह प्रवचन कर रहा है। समर्थकों से मिल रहा है और खुलकर बातचीत कर रहा है। आसाराम का प्रवचन सुनने के लिए उसके आश्रम में एक हजार से ज्यादा लोग जुट रहे हैं। इससे पहले पालनपुर (गुजरात) आश्रम का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह सामूहिक रूप से भक्तों से मुलाकात करता नजर आया था। आसाराम को इन शर्तों पर जमानत मिली है कि वह प्रवचन नहीं करेगा। शुक्रवार दोपहर 12 बजे टीम खंडवा रोड स्थित आसाराम के आश्रम पहुंची। उस समय आश्रम में ज्यादा चहल-

पहल नहीं थी। आश्रम के बाहर तैनात गार्ड किसी को भी रुकने नहीं दे रहे थे। दोपहर 2 बजे के बाद आश्रम में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ने लगी।

इस दौरान गार्डों ने आश्रम से लगभग 300 मीटर पहले ही लोगों के मोबाइल फोन बंद करवा दिए और प्रवेश से पहले मोबाइल और स्मार्ट वॉच जमा करा ली गईं। शाम करीब 6 बजे, रिपोर्टर ने अपना मोबाइल जमा कर आश्रम के भीतर प्रवेश किया।

वहां टीन शेड के नीचे, जिसे पूरी तरह सफेद चादर से ढका गया था, एक हजार से ज्यादा लोग बैठकर आसाराम का प्रवचन सुन रहे थे। प्रवचन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। एक पुलिस जवान आसाराम के बाईं ओर और एक सीआरपीएफ की ड्रेस में जवान दाईं ओर तैनात था। प्रवचन की बाकायदा दो कैमरों से रिकॉर्डिंग भी की जा रही थी। आसाराम के प्रवचन के दौरान रिपोर्टर ने सेवादारों से पूछा कि जब मोबाइल अंदर लाने की अनुमति नहीं है, तो यहां दो कैमरों से रिकॉर्डिंग क्यों की जा रही है?

केरल की टीम ने रचा इतिहास, पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। केरल ने गुजरात के खिलाफ पहली पारी की बढ़त के आधार पर फाइनल में एंट्री ली। पहली बारी के आधार पर केरल को महज दो रनों की लीड मिली, जो निर्णायक साबित हुई। अब फाइनल में केरल का सामना विदर्भ से होगा। रणजी ट्रॉफी 2024-25 का फाइनल 26 फरवरी से नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होना है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में केरल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन के शानदार 177 रनों की मदद से पहली इंनिग्स में 457 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने प्रियांक पांचाल के शानदार शतक की बदौलत पहली पारी में 455 रनों का स्कोर खड़ा किया।

गुजरात को खेल के पांचवें एंव आखिरी दिन लीड हासिल करने के लिए सिर्फ 28 रनों की जरूरत थी और उसके तीन विकेट बाकी थे। लेकिन स्पिनर आदित्य सरवते ने बाकी के तीनों विकेट चटकाकर केरल को निर्णायक बढ़त दिला दी। सरवते और जलज सक्सेना ने मिलकर केरल के लिए पहली पारी में आठ विकेट चटकाए। फिर केरल ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 114 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने मुकाबले को आगे ना जारी रखना ही उचित समझा।

अफगानिस्तान के खिलाफ हेनरिक क्लासेन प्लेइंग इलेवन से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का तीसरा मुकाबला अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है।

कराची में टूर्नामेंट के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टेम्बा बावुणा की टीम के लिए हेनरिक क्लासेन के फिट ना होना बड़ा झटका है। जानकारी के अनुसार विकेटकीपर बल्लेबाज को बाएं कोहनी में दिक्कत है। इसके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स भी नहीं खेले। वह क्यों नहीं खेले इसे लेकर कोई अपडेट नहीं मिला। विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को बाईं कोहनी की चोट के कारण अफगानिस्तान के मुकाबले से बाहर होना पड़ा। साउथ अफ्रीका की टीम ने एहतियात के तौर पर उन्हें न खिलाने का फैसला किया। आगे साउथ अफ्रीका को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है।

साउथ अफ्रीका की प्लेइंग 11 में केवल एक स्पेशलिस्ट स्पिनर केशव महाराज को मौका मिला। अफगानिस्तान की बात करें तो चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में ये उसका पहला मैच है। पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी इस टूर्नामेंट में 40 साल की उम्र के बाद डेब्यू करने वाले 5वें खिलाड़ी बन गए।

विदर्भ ने मुंबई का तोड़ा घमंड, 80 रन से मात देकर बनाई फाइनल में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वहीं मुकाबले की बात करें तो मुंबई टीम मैच के पांचवें और आखिरी दिन शुक्रवार को 325 रन पर ऑलआउट हो गई। 8वें नंबर पर बैटिंग के लिए आए शार्दुल ठाकुर ने काफी संघर्ष किया।

उन्होंने 124 गेंद में 66 रन की पारी खेली। लेकिन शार्दुल का अर्धशतक भी मुंबई की हार नहीं टाल सका और विदर्भ ने चौथी बार फाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही विदर्भ ने पिछले फाइनल में मुंबई के हाथों मिली हार का बदला ले लिया। तब अजिंक्य रहाणे की मुंबई टीम ने विदर्भ को हराकर रिकॉर्ड 42वीं बार खिताब जीता था। मुंबई ने विदर्भ के खिलाफ सेमीफाइनल में आखिरी दिन शुक्रवार को कल के 83/3 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था लेकिन एक रन स्कोरबोर्ड में अभी जुड़े थे और शिवम दुबे 12 रन बनाकर आउट हो गए। उनका विकेट यश ठाकुर ने लिया था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव 23 रन बनाकर हर्ष दुबे के शिकार बने। जल्द ही ओपनर आकाश आनंद 39 रन बनाकर आउट हो गए। 124 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद ऐसा लग रहा था कि मुंबई की पारी जल्द खत्म हो जाएगी लेकिन शार्दुल ठाकुर और शम्स मुलानी ने मोर्चा संभाला और 7वें विकेट केलिए 103 रन की साझेदारी कर मुंबई को मैच में बनाए रखा। हालांकि, 227 रन केस्कोर पर मुलानी 46 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने मोर्चा संभाला और निचले क्रम के बल्लेबाजी के साथ संघर्ष जारी रखा। इसके बाद मुंबई के हाथ से मैच फिसल गया।

दक्षिण अफ़्रीका को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का तीसरा मुकाबला अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच आज खेला जाएगा। पाकिस्तान के कराची स्टेडियम में यह मैच खेला जाएगा। जिसकी शुरुआत 2.30 बजे से होगी। यह काफी रोमांचक मुकाबला होगा। अफगानिस्तान के स्पिनर और साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों के बीच जंग देखने को मिल सकती है। हाल के कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका ने ड्रष्टष्ट इवेंट्स में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करने से पहले 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई थी। दोनों मौकों पर हारने के बाद दक्षिण अफ़्रीका चैंपियंस ट्रॉफी में खुद को फिर से साबित करने उतरेगा। आज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अफगानिस्तान के चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले के दौरान कराची में बादल छाए रहेंगे। हालांकि, इस मैच में बारिश की संभावना तीन प्रतिशत कम है। दिन में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और रात में 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। तो वहीं, हवा की गति 10 से 15 किमी/घंटा के बीच रहेगी और अधिकतम आर्द्रता का स्तर 48 प्रतिशत रहेगा।

कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं-कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं। कोहली ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद इस प्रारूप में जो छह पारियां खेली हैं उनमें वह केवल 137 रन ही बना पाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, ''मुझे लगता है कि वह कुछ ज्यादा ही प्रयास कर रहे हैं। वह जिस तरह से अपनी पारी आगे बढ़ा रहे हैं उसमें आप इसे देख सकते हैं। उन्हें इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''रोहित शर्मा को देखिए वह खुलकर खेलते हैं क्योंकि आगे काफी बल्लेबाज हैं और वे सभी शानदार फॉर्म में हैं। इसी तरह से विराट को भी किसी चीज की चिंता किए बिना खुलकर खेलने की जरूरत है।'' कुंबले ने कहा, ''सभी खिलाड़ी अपने करियर में मुश्किल दौर से गुजरते हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखकर मुझे ऐसा लगता है कि वह खुद पर बहुत अधिक दबाव डाल रहे हैं।''

इस पूर्व भारतीय कप्तान का मानना है सहज होकर खेलने से कोहली इस खराब दौर से बाहर निकाल सकते हैं। कुंबले ने कहा, ''जब आप पर इस तरह का दबाव होता है और आप पर अपेक्षाओं का बोझ बन जाता है तो आप अचानक ही इस तरह की चीजों को अनावश्यक महत्व देने लग जाते हो और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत अधिक प्रयास करने लग जाते हो।'' उन्होंने कहा, ''जब आप ऐसा करते हो तो वास्तव में आप तनाव मुक्त नहीं होते हो।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में साथ खेलेंगे सचिन तेंदुलकर- युवराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवराज 22 मार्च को मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे।

इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। ये प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। फाइनल 16 मार्च को रायपुर में खेला जाएगा।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 34,000 से ज्यादा रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज तेंदुलकर ने खेल के हर फॉर्मेट में दबदबा बनाया। हालांकि, भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 इंटरनेशनल मैच ही खेले। इससे फैंस के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे फॉर्मे में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा। पिछले कुछ सालों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने फैंस को रोमांचित किया है।

युजवेंद्र चहल और धनाश्री वर्मा का हुआ तलाक, 18 महीने से रह रहे थे अलग, 2020 में हुई थी शादी

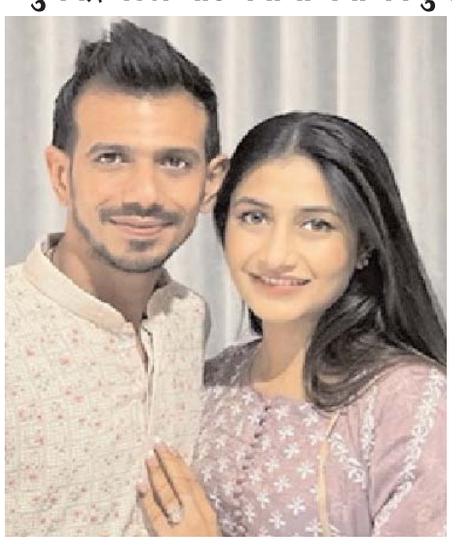

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनाश्री वर्मा का तलाक हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बुधवार 20 फरवरी को मुंबई फैमली कोर्ट में युजवेंद्र और धनश्री ने कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद आधिकारिक तौर पर अलग होने का फैसला किया। वहीं एक मीडिया हाउस के मुताबिक, बांद्रा की एक फैमिली कोर्ट के वकील ने जानकारी दी है कि चहल और धनश्री सुनवाई के दौरान सुबह 11 बजे मौजूद थे। अदालत ने उन्हें काउंसलिंग सेशन के लिए भेजा था जहां 45 मिनट तक दोनों को काउंसलिंग भी दी गई। इस दौरान दोनों आपसी सहमति के बाद अलग होने के निर्णय पर पहुंचे। रिपोर्ट में बताया गया है कि चहल और धनश्री 18 महीने यानी करीब डेढ़ साल से अलग रह रहे थे। ये भी दावा किया कि जज ने कपल से अलग होने का कारण पूछा, जिस पर दोनों ने कम्पैटिबिलिटी संबंधित मुद्दों की वजह से तलाक लेने का कारण बताया। खबर है कि जज ने दोनों के तलाक की अर्जी पर सहमति जताते हुए शाम 4.30 बजे फैसला सुनाया। हालांकि, अब तक दोनों की ओर से तलाक को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है ना ही सोशल मीडिया पर चहल या धनश्री ने तलाक को लेकर कोई ऐलान किया है। बता दें कि, युजवेंद्र चहल ने डांस कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर धनाश्री वर्मा से दिसंबर 2020 में लव मैरिज की थी। कोरोनाकाल में लॉकडाउन के दौरान दोनों डांस क्लास में प्रैक्टिस के दौरान करीब आए थे।

भारत की जीत के बाद देखें पॉइंट्स टेबल का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला जिसे उसने 6 विकेट से जीत लिया। इससे पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच से टूर्नामेंट का आगाज हुआ था। फिलहाल, अभी तक ग्रुप ए की टीमों के बीच मुकाबले हुए। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के अलावा ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है। जबकि ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड है।

इस समय पॉइंट्स टेबल में कौन सी टीमें कहां हैं? रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम की बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद पॉइंट्स टेबल कितना बदला है? दरअसल, भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ धमाकेदार जीत के बावजूद पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं टॉम लेथम की अगुवआई वाली न्यूजीलैंड टॉप पर काबिज है। हालांकि, भारत और न्यूजीलैंड के बराबर 2-2 पॉइंट्स हैं, लेकिन कीवी टीम का नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +1.200 है, जबकि भारत का नेट रन रेट +0.0408 हैं।

वहीं इस ग्रुप में बांग्लादेश की टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर काबिज है। जबकि मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली पाकिस्तान पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर है। बहरहाल, आज ग्रुप-बी की

2 टीमें आमने-सामने होंगी। जबकि शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का आमना-सामना होगा। बताते चलें कि इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें खेल रही हैं। इन 8 टीमों को 2 ग्रुपों में बांटा गया है। भारत के अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ग्रुप-ए में रखा गया है। जबकि साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के अलावा ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने पर फूट-फूटकर रोए फखर जमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अभी तक कुछ अच्छा नहीं हुआ है। टूर्नामेंट की शुरुआत करते हुए पहले ही ओवर में चोटिल हुए फखर जमान पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान की हालत बेहद बुरी है, भारत के खिलाफ मैच उसके लिए करो या मरो का होगा। साथ ही स्लो ओवर रेट के चलते आईसीसी ने पाकिस्तान पर जुर्माना भी लगाया है। वहीं सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें आउट होकर लौटे फखर जमान फूट-फूटकर रोते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि, फखर जमान शाहीन शाह अफरीदी द्वारा डाले गए पहले ही ओवर में चोटिल हो गए थे। बाउंड्री पर जाती गेंद को उन्होंने डाइव लगाकर रोका लेकिन खुद चोटिल हो बैठे। उन्हें मैदान से

बाहर जाना पड़ा, हालांकि, वह थोड़े समय के लिए वापस फील्ड पर लौट आए थे। फखर बल्लेबाजी के लिए भी उतरे थे लेकिन बड़ा स्कोर करने में असफल रहे। अब उनके आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम जाने और उसके अंदर का वीडियो वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि आउट होकर बाहर जाते फखर जमान काफी मायूस दिख रहे हैं। वह अच्छे से चल भी नहीं पा रहे। ड्रेसिंग रूम में वह सर झुकाकर बैठ जाते हैं और फिर फूट-फूटकर रोने लग जाते हैं। इस दौरान टीम का सदस्य उन्हें सांत्वना देता नजर आ रहा है। पाकिस्तान ने फखर के रिप्लेसमेंट के रूप में इमाम उल हक के नाम का ऐलान कर दिया है।

टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद फखर जमान ने एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया था।

जिसमें उन्होंने लिखा था कि, सबसे बड़े मंच पर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना इस देश के हर क्रिकेटर का सम्मान और सपना है। मुझे गर्व के साथ कई बार पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला है। दुर्भाग्य से मैं अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गया हूं, लेकिन निश्चित रूप से अल्लाह सबसे अच्छा प्लानर है। इस मौके के लिए आभारी हूं, मैं घर से ही अपनी टीम का समर्थन करूंगा, ये सिर्फ शुरुआत है वापसी मजबूत होगी।

प्रयागराज जा रहे कुंभ यात्रियों की बढ़ी बढ़ी, टोल से हर घंटे निकल रहे 1500 से ज्यादा वाहन

एमपी-यूपी बॉर्डर पर फिर लगा 10 किमी लंबा जाम

डायवर्ट कर हनुमना मार्ग से निकाला जा रहा

रीवा-प्रयागराज मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री रोकी

मीडिया ऑडीटर, सतना/रीवा (निप्र)। एमपी-यूपी बॉर्डर पर शनिवार को एक बार फिर 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शनिवार को फिर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई। इसके बाद रीवा-प्रयागराज मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री रोक दी गई हैं। उन्हें कटनी से ही डायवर्ट कर हनुमना मार्ग से निकाला जा रहा है। बता दें कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। शनिवार सुबह तक स्थिति नियंत्रण में थी। दोपहर 12 बजे के बाद वाहनों की संख्या बढ़ गई। जोगनिहाई टोल से हर घंटे 1500 वाहन निकल रहे हैं। पुलिस और प्रशासन मिलकर जाम खुलवाने की कोशिश कर रहे हैं।

टोल प्लाजा से 24 घंटे में निकले 35 हजार वाहन: एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि महाकुंभ का आखिरी वीकेंड होने की वजह से पिछले 24 घंटे में एमपी-यूपी बॉर्डर चाकघाट से 35 हजार से ज्यादा वाहन निकल चुके हैं। शनिवार सुबह से हर घंटे जोगनिहाई टोल प्लाजा और झिरिया टोल प्लाजा से होकर 1500 वाहन निकल रहे हैं। यही वजह है कि सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ रहा है। लेकिन हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

प्रयागराज में पार्किंग फुल, वाहनों को मिर्जापुर डायवर्ट किया: एडिशनल एसपी विवेक सिंह ने बताया कि महाकुंभ के अंतिम दौर और इसके पहले आखिरी वीकेंड में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी गई थी। भारी वाहनों को कटनी से ही वैकल्पिक मार्ग पर भेजा जा रहा है। वाहनों को शहडोल और सीधी होते हुए हनुमना की ओर भेजा जा रहा है। हनुमना और मिर्जापुर से आने वाले वाहनों के लिए भी यही रूट निर्धारित किया है। मनगवां से मिर्जापुर की ओर वाहनों का रूट डायवर्जन जारी है।

कुंभ यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्ट पॉइंट बनाए: रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि कुंभ यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्ट पॉइंट पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। बच्चों के लिए दूध, आवश्यक दवाइयां और खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्रयागराज में पार्किंग स्थल पूर्ण रूप से भर चुके हैं। इस कारण वाहनों को मिर्जापुर की ओर भेजा जा रहा है, जहां पार्किंग की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है। नारी-वारी मार्ग पर यातायात की स्थिति सामान्य नहीं है।

कर्नाटक जा रही तेज रफ्तार कार बाइक से टकरा कर पलटी

प्रयागरात महाकुंभ से लौट रहे थे यात्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सोहागी घाटी में कुंभ मेले से वापस कर्नाटक जा रही तेज रफ्तार कार बाइक से टकरा गई। इस सड़क हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। बाइक से टकराने के बाद कार अनियंत्रित होकर घाटी में ही पलट गई। घटना की सूचना पर तत्काल मौके पर सोहागी पुलिस पहुंची है और रेस्क्यू कर सभी घायलों को कार से बाहर निकाला गया। और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि कर्नाटक निवासी परिवार कुंभ मेले में स्नान करने गए हुए थे, जहां से वापस लौटते समय सुनरी निवासी अंकित मिश्रा की बाइक से टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में जहां बाइक सड़क से दूर जा गिरी वहीं कार भी अनियंत्रित होकर पलट गई।

हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 से

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षा 25 फरवरी से आरंभ हो रही है। हायर सेकण्डरी की परीक्षा 25 फरवरी से 25 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.50 बजे उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.55 बजे प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। प्रवेश पत्र में भी फोटो लगाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी यथा संभव पेयजल की बोतल स्वयं लेकर आएं। कक्षा 12वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र मंगलवार 25 फरवरी को होगा। इस दिन हिन्दी का प्रश्न पत्र होगा। शुक्रवार 28 फरवरी को अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा। शनिवार एक मार्च को उर्दू और मराठी का प्रश्न पत्र होगा। मंगलवार 4 मार्च को एनिमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एवं फिशरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, अर्थशास्त्र तथा फिजिक्स का प्रश्न पत्र होगा। बुधवार 5 मार्च को बायोटेक्नॉलाजी, गायन वादन एवं तबला पखावज का प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 6 मार्च को ड्राइंग एण्ड डिजाइन का प्रश्न पत्र होगा। शुक्रवार 7 मार्च को भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एण्ड हार्टिकल्चर, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य का प्रश्नपत्र होगा। शनिवार 8 मार्च को बायलॉजी, सोमवार 10 मार्च को मनोविज्ञान, मंगलवार 11 मार्च को इन्फॉरमेटिक प्रेक्टिसेस तथा बुधवार 12 मार्च को संस्कृत का प्रश्न पत्र होगा। सोमवार 17 मार्च को केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एलिमेंट आफसाइंस एण्ड मेथमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग और गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान के प्रश्न पत्र की परीक्षा होगी। गुरूवार 20 मार्च को समाजशास्त्र तथा शुक्रवार 21 मार्च को नेशनल स्किल्स क्वालिफिक्रेशन फ्रेम वर्क के सभी विषय और शारीरिक शिक्षा का प्रश्नपत्र होगा। शनिवार 22 मार्च को कृषि, होम साइंस (कला समूह) तथा बुककीपिंग एण्ड एकाउंटेन्सी का प्रश्न पत्र होगा। सोमवार 24 मार्च को राजनीति शास्त्र तथा मंगलवार 25 मार्च को गणित का प्रश्न पत्र होगा।

रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने किया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन में चल रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दरअसल डिवीजनल रेलवे मैनेजर रीवा-जबलपुर शटल से रीवा रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण के बीच मीडिया से चर्चा करते हुए रीवा-गोविंदगढ़ रेल लाइन मार्च के अंत तक शुरू करने की बात कही है। बता दें कि रीवा रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार से लेकर प्लेटफॉर्म में निर्माण कार्य चल रहा है। जिसका निरीक्षण करते हुए डीआरएम ने अधिकारियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही स्टेशन में साफ सफाई की व्यवस्था बनाए रखने की भी नसीहत दी। निरीक्षण के बाद डीआरएम शटल से पुनः जबलपुर की ओर रवाना हो गए।

पोकलेन मशीन गड्ढे में गिरी, ऑपरेटर नीचे दबा, मौत, सीवर लाइन के काम के दौरान मिट्टी धंसने से हादसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में शनिवार शाम सीवर लाइन के काम के दौरान एक पोकलेन मशीन गड्ढे में गिर गई। हादसे में पोकलेन मशीन का ऑपरेटर नीचे दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अभी तक शव को मशीन के नीचे से नहीं निकाला जा सका है। मौके पर नगर निगम के अधिकारी पहुंच गए है।

हादसा शहर के वार्ड क्रमांक-26 राजेन्द्र नगर निशांत विहार इलाके में सीवर लाइन खुदाई के दौरान हुआ। यहां पोकलेन मशीन पटलने से ऑपरेटर मनीष तिवारी उसके नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया गया है कि सीवर लाइन प्रोजेक्ट का काम पीसी स्नेहिल कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। वहीं, ऑपरेटर की मौत की खबर के बाद नगर निगम के तमाम अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

सीधी का रहने वाला था ऑपरेटर: नगर निगम के कर्मचारियों ने बताया कि पोकलेन मशीन का ऑपरेअर मनीष तिवारी मूलतः से सीधी जिले का रहने वाला था। वह ठेका कंपनी की मशीन चलाने का काम काफी समय से कर रहा था। स्थानीय लोगों की मानें तो लाइन खुदाई का काम मौके पर चल रहा था तभी मिट्टी धंसी और मशीन पलट गई और मनीष उसके नीचे दब गया।

करीब डेढ़ घंटे से मशीन के नीचे दबा शव: पोकलेन मशीन के नीचे से ऑपरेटर के शव को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। शव को निकालने के लिए कटर मशीन बुलाकर पोकलेन के उस हिस्से को काटा जा रहा है, जिसमें ऑपरेटर मनीष का शव दबा हुआ है। मौके पर नगर निगम कमिश्नर समेत सीएसपी पहुंच गये हैं।

एक साल पहले भी हुआ था हादसा: सीवर लाइन खुदाई के दौरान हादसे का यह दूसरा मामला है। करीब एक साल पहले शहर के मारूति नगर इलाके में मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहा राम खिलाड़ी कुशवाहा 25 वर्ष निवासी ग्वालियर की दबने से मौत हो गई थी।

मझगवां में बनेगा रेस्ट हाउस, नगरीय क्षेत्र में सडक का हिस्सा होगा डिवाइडर युक्त

लोक निर्माण मंत्री ने किया मझगवां-पटना-पहाडीखेरा मार्ग का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शनिवार को मझगवां पहुंचकर 86 करोड 79 लाख रूपये की लागत से बनने वाले 38 किमी लम्बाई के मझगवां-पटना-पहाडीखेरा मार्ग का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद गणेश सिंह ने की। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जनपद अध्यक्ष रेणुका जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, मुख्य अभियंता लोक निर्माण संजय खाडे, एससी वर्मा, कार्यपालन यंत्री बीआर सिंह भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि विकास के कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे होने चाहिए। गुणवत्ता विहीन कार्य नहीं होने दिये जायेंगे। उन्होंने चौरहा से बरूआ तक बनी सडक के 3 माह में ही खराब होने पर मुख्य अभियंता संजय खाडे को विधिवत जांच कर दोषी पाये जाने पर संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बनी डामर की सडक कम से कम 6 साल चलनी चाहिए। सांसद श्री गणेश सिंह द्वारा ध्यान आकृष्ट कराये जाने पर लोक निर्माण मंत्री ने मझगवां में लोक निर्माण विभाग का रेस्ट हाउस बनाने और मझगवां-पटना-पहाडीखेरा मार्ग में मझगवां नगर के हिस्से को डिवाइडर के साथ बनाने के निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिये। खुटहा से नारायण देव गोरसरी पुल का प्रस्ताव परीक्षण कर भेजने के निर्देश के साथ लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि बाकी के कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किये जायेंगे। सांसद श्री सिंह ने कहा कि कोई भी क्षेत्र विकास की रफ्तार से अछूता नहीं है। चित्रकूट क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कोई कसर नहीं रख रही है। उन्होंने सुन्दरा से सेमरिया की महत्वपूर्ण सडक की मरम्मत, जैतवारा में बायपास और सतना जिले के सीमावर्ती गांव भियामऊ तक अच्छी सडक से जोडने की आवश्यकता जताई। विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि मझगवां से पहाडीखेरा तक चौडी और अच्छी सडक के बनने से चित्रकूट और बिरसिंहपुर की कनेक्टिविटी बढेगी। इस सडक के निर्माण में बिलो टेण्डर डाला गया है। लेकिन सडक की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जायेगा। निर्धारित डीपीआर के अनुसार ही सडक बनाई जाये। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, प्रबल श्रीवास्तव, कार्तिकेय द्विवेदी, रामऔतार दद्दा, निरंजन जायसवाल सहित बडी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवती के साथ गलत काम किए जाने का मामला सामने आया है। यह वारदात शहर के ही रुतबा रेस्टोरेंट में हुई, जहां आरोपी ने मिलने के बहाने बुलाकर घटना को अंजाम दिया। बताया गया है कि युवक नौकरी का झासा देकर बीते एक साल से युवती का शारीरिक शोषण करता रहा। मामले में युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रेस्टोरेंट में भी आज दबिश दी है। यह मामला शहर के अमहिया थाने का है जहां 19 वर्षीय पीड़ित युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रवि गुप्ता निवासी दुआरी नामक शख्स के साथ उसकी इन्सटाग्राम के जरिये दोस्ती हुई। उसने मिलने के बहाने उसे रुतबा रेस्टोरेंट में बुलाया जहां उसके साथ जबरन गलत काम किया गया है। पीड़िता द्वारा शिकायत में बताया गया कि आरोपी द्वारा एक वर्ष के भीतर कई बार उसका शारीरिक शोषण किया गया।

कार पलटी, 11 माह के मासूम की मौत

दो महिलाएं घायल, एनएच-30 पर हादसा, हैदराबाद से प्रयागराज जा रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में खेरवासानी टोल प्लाजा के पास शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार 11 माह के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो महिलाएं घायल हुई है। कार में पांच लोग थे। घायलों का इलाज मैहर सिविल अस्पताल में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को एक कार में पांच लोग सवार होकर हैदराबाद से प्रयागराज कुंभ की यात्रा पर जा रहे थे। मैहर में एनएच-30 पर खेरवासानी टोल प्लाजा के पास उनकी तेज तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई।

11 माह के मासूम की मौत, दो घायल: हादसे में कार में सवार 11 माह के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 36 वर्षीय रेणुका रानी और 27 वर्षीय अंजली घायल हो गई। दोनों के हाथ और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को तत्काल मैहर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हैदराबाद से प्रयागराज जा रहे थे: स्थानीय लोगों ने बताया कि कार में कुल पांच लोग सवार थे। सभी लोग हैदराबाद से प्रयागराज कुंभ की यात्रा पर जा रहे थे। हादसा सुबह करीब 11 बजे खेरवासानी टोल प्लाजा से मैहर की तरफ एक किलोमीटर की दूरी पर हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेरवासानी टोल प्लाजा पर लगी महाकुंभ जा रहे यात्रियों की भीड़, पुलिस तैनात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में शुक्रवार रात को एनएच 30 पर एक बार फिर जाम की स्थिति बन गई। प्रयागराज कुंभ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण खेरवासानी टोल प्लाजा के पास रात 12 बजे के बाद वाहनों की लंबी कतार देखी गई। यातायात की स्थिति असामान्य हो गई और वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहे थे। वीकेंड होने के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारों के साथ प्रयागराज कुंभ यात्रा के लिए निकले हैं। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। बैरिकेडिंग प्वाइंट्स पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन अलर्ट मोड पर काम कर रहा है।

मवेशियों से खेत को बचाने फैलाये गये करंट से 2 गायों की गई जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मवेशियों को खेत में घुसने से रोकने के लिए लगाए गए करंट में फंसकर दो गायों की मौत हो गई। घटना से ग्रामीणों में खेत मालिक के खिलाफ आक्रोष व्याप्त है। आरोप है कि खेत मालिक द्वारा बीते एक साल से कटीले तारों में करंट लगाया जा रहा है, जिससे दर्जनों मवेशियों की मौत हो चुकी है। मामला जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरास का है, जहां चौरसिया ढाबे के समीप स्थित एक खेत में लगाए गए करंट में फंसकर दो गायों की मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने बड़ी अनहोनी की आशंका जताई है। उनका मानना है कि जिस तरह से खेत में करंट फैलाकर रखा जाता है उससे किसी भी दिन गांव का ही कोई व्यक्ति इसकी चपेट में आ सकता है।

लोक निर्माण मंत्री ने किया सतना-मैहर बायपास उन्नयन का भूमिपूजन

उच्च स्तरीय पुलों का शिलान्यास और लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि सडकें केवल क्षेत्र की अधोसंरचना ही नहीं बल्कि विकास की जीवन रेखा होती है। पूरे प्रदेश में अच्छी सडकों का जाल बिछाया जा रहा है। विकास के कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे हो यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोक निर्माण मंत्री शनिवार को सतना जिले में सतना-मैहर बायपास के फेरलेन में उन्नयन तथा तीन उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण में भूमिपूजन तथा लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद गणेश सिंह ने की। इस मौके पर चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, ऊषा चौधरी, पूर्व स्पीकर अनिल जायसवाल, पूर्व महापौर विमला पाण्डे, ममता पाण्डेय सहित सतीश पाण्डेय, नरेन्द्र त्रिपाठी, बालेन्द्र गौतम, कमलाकर चतुर्वेदी, नीता सोनी, जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता संजय खाडे, एससी वर्मा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह भी उपस्थित थे।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सतना-मैहर बायपास के मैहर-नागौद लिंक रोड तक 8.50 किमी लम्बाई में 59 करोड 48 लाख रूपये से बनने वाले फेरलेन मार्ग उन्नयन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस अवसर पर लोक निर्माण सेतु विभाग द्वारा सेमरावल नदी पर बरदाडीह से मैनपुरा मार्ग में 7 करोड 88 लाख रूपये लागत से बनने वाले 100 मीटर लम्बाई के उच्च स्तरीय पुल और खोहर से लौलाछ मार्ग पर 9 करोड 90 लाख रूपये की लागत से बनने वाले 125 मीटर लम्बाई के उच्च स्तरीय पुल के निर्माण का भूमिपूजन भी किया। लोक निर्माण मंत्री ने खम्हरिया से टिकुरी-अकौना मार्ग में 5 करोड 12 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित उच्च स्तरीय पुल का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण की टैगलाइन पर जितनी भी संरचनायें बनती है सभी लोक कल्याण के लिए है। अच्छी सडकों से उद्योग, धंधे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सभी क्षेत्रों में विकास की रफ्तार बढती है। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के बढने के अनुकूल अवसर है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण के कार्य लोक कल्याण के लिए है। इसका अहसास कार्यकारी एजेंसी और संविदाकारों को होना चाहिए। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बढाने और लोक कल्याण के कार्यों में जनता की भागीदारी जोडने विभाग द्वारा लोक पथ ऐप भी लांच किया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति सडकों की गुणवत्ता के संबंध में फेटो के साथ शिकायत कर सकता है। जीआईएस बेस्ड इस ऐप में प्राप्त शिकायत के आधार पर सात दिवस के भीतर कार्यवाही पूरी कर लेने की बाध्यता है। उन्होंने कहा कि सडकों की गुणवत्ता अथवा विकास के कार्यों में कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

मातृशक्ति के रक्तदान से बना रक्तदान का रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मातृशक्ति के रक्तदान से सिन्धु विकास समिति ने 6500 वें रक्तदान के आकंड़े को छुआ,जो अपने आप मे एक रिकॉर्ड है।मानवता की सेवा में रक्तदान करवा कर समिति निरंतर खून के रिश्तों की नजीर पेश करती रही है। सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तवीरों को उत्साहित करनेवाले विनोद गेलानी बताते हैं कि 21 फरवरी शुक्रवार को जिला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद को गृहणी सिमरन चंचलानी द्वारा ब्लड डोनेशन के साथ यहां सर्वाधिक ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बन गया। गेलानी ने कहा दिन हो या रात सुबह हो या शाम समिति के सदस्यों के साथ-साथ सर्व समाज के युवा और मातृशक्ति हर समय स्वैच्छिक रक्तदान के लिए तत्पर रहते हैं। रक्तवीर सिमरन चंचलानी ने विनोद गेलानी को अपना प्रेरणास्त्रोत बताते हुए समिति परिवार को मानवता की इस अद्भुत सेवा के लिए साधुवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अनोखी सेवा मे अपना कुछ नहीं लगता और जो लगता है वो ईश्वर हमें वापस कर देते हैं।क्योंकि रक्तदान करने के बाद शरीर मे वापस रक्त बनना शुरू हो जाता है।ईश्वर की इस अनोखी प्रक्रिया मे कभी रक्तदान करने वाले का नुकसान नहीं होता।न कोई परेशानी होती है आज मैंने 6 वी बार रक्तदान किया है। रक्त दान के अवसर पर अध्यक्ष विनोद गेलानी,मंत्री संजय वाधवानी मनीष सदानी समाजसेवी पंकज चंचलानी ब्लड बैंक सेराम भाई त्रिपाठी एल, के,वर्मा आशीष तिवारी जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।